दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

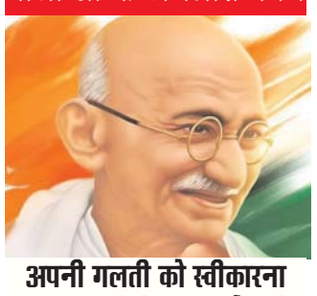
क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-239 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 03 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

गांधी जी के अनमोल वचन



अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है, जो धरातल की सतह को चमकदार और साफ कर देती है।

चक्रवात 'मुरासु' ने लिया भीषण रूप, दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका

आज दस्तक दे सकता है तूफान, 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं; आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में सतर्कता

अमरावती, (आरएनएस)। चक्रवात 'अर्नब' के बाद बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात 'मुरासु' अब भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिम-मध्य और उससे सटी दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय यह तूफान लगातार उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। तूफान के प्रभाव से तटीय इलाकों में 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि हवा के झोंकों की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है।मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, पिछले छह घंटों के दौरान चक्रवात लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा। सोमवार तड़के 2:30 बजे यह गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में सक्रिय था। उस समय इसका केंद्र 13.6 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 82.5 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास स्थित था।मौसम विभाग के अनुसार, तूफान चेन्नई से लगभग 260 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व, नेल्लोर से 290 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, कावली से 310 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, ओंगोल से 330 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और विशाखापत्तनम से 470 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित था। विभाग ने आशंका जताई है कि चक्रवात 2 नवंबर की रात 11:30 बजे से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे के बीच ओंगोल के आसपास नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान इसके गंभीर चक्रवाती तूफान बने रहने की संभावना है।



चक्रवात 'मुरासु' के संभावित खतरे को देखते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अपना दिल्ली दौरा रद्द कर दिया है। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में पूरी तैयारी रखने और आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने रविवार को चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राज्य में संभावित बारिश, तेज हवाओं, जलाशयों की स्थिति और संवेदनशील क्षेत्रों में किए जा रहे सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैयार रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के निर्देश दिए।

मौसम विभाग ने चक्रवात के प्रभाव से 2 नवंबर को आंध्र प्रदेश के दक्षिणी और मध्य तटीय जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है। वहीं, 3 और 4 नवंबर को राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। तट से टकराने के दौरान हवा की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के 20 मंडलों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका है। इनमें एलुरु जिले के नौ, कृष्णा और एनटीआर जिले के पांच-पांच तथा बापटला जिले का एक मंडल शामिल है। 3 नवंबर को बारिश का प्रभाव कई जिलों में अधिक रहने का अनुमान है। एलुरु में लगभग 179 मिलीमीटर, कृष्णा में 163 मिलीमीटर, एनटीआर में 161 मिलीमीटर, पश्चिम गोदावरी में 147 मिलीमीटर, गुंटूर में 119 मिलीमीटर और बापटला में 104 मिलीमीटर बारिश हो सकती है।

बिना इंजन के छह किलोमीटर तक दौड़े सात रेलवे कोच, पटरी से उतरने से बेंगलुरु-चेन्नई रेलमार्ग बाधित

तिरुपत्तूर,(आरएनएस)। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। जोलारपेट्टई रेलवे जंक्शन के यार्ड में खड़े सात खाली रेलवे डिब्बे बिना इंजन के करीब छह किलोमीटर तक लुढ़कते चले गए। इसके बाद ये डिब्बे थमालेरी मुथुर के पास पटरी से उतर गए। घटना के कारण बेंगलुरु-चेन्नई रेलमार्ग पर रेल यातायात बाधित हो गया और कई ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा। हालांकि, रेलवे अधिकारियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन ने आपात कार्रवाई शुरू कर दी। अधिकारियों ने बेंगलुरु से जोलारपेट्टई की ओर आ रही ट्रेनों को अलग-अलग स्थानों पर रोकने के निर्देश दिए, ताकि इन डिब्बों से किसी ट्रेन की टक्कर न हो। बताया गया कि ड्यूटी पर तैनात एक रेल फाटक कर्मचारी ने पटरी से उतरे डिब्बों की असामान्य आवाज सुनी और तत्काल रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दी।



उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम के पास, ताज़ा बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों का सुंदर नज़ारा।

राजस्थान में दर्दनाक हादसा: हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से आठ मजदूरों की मौत, चार घायल

झुंझुनूं (आरएनएस)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में सोमवार को सड़क निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। उदयपुरवाटी थाना क्षेत्र के छपोली गांव के पास बजरी मिश्रण करने वाली मशीन के ऊपर से गुजर रही उच्च क्षमता वाली बिजली लाइन के संपर्क में आने से आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।



पुलिस के अनुसार, घटना छपोली और कदमकुंड के बीच स्थित एक जंगली इलाके में हुई। यहां ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए बजरी मिश्रण करने वाली मशीन मंगवाई थी। निर्माण कार्य के दौरान मशीन ऊपर से गुजर रही उच्च क्षमता वाली बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए।

शराब माफिया का आतंक, ट्रक से थाना इंचार्ज को कुचला, अफसर ने मौके पर तोड़ा दम



देवास,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के देवास जिले में शराब तस्करी की सूचना पर कार्रवाई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। हरदा से गुजरात जा रहे संदिग्ध ट्रक का पीछा कर रही पुलिस टीम ट्रक को रोकने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान ट्रक चालक ने कथित रूप से वाहन चढ़ा दिया, जिसमें खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, देवास के एसपी आदित्य मिश्रा ने ट्रक को पकड़ने के लिए पांच से अधिक पुलिस टीमें बनाई थीं। इनमें कन्नौद, सतवास और खातेगांव के थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि अवैध शराब से भरा ट्रक हरदा की ओर से आ रहा है और इंदौर होते हुए गुजरात जाने वाला है। पुलिस टीमें ट्रक का पीछा कर रही थीं और आगे नाकाबंदी भी की गई थी।

इसी दौरान हरदा-नेमावर हाईवे पर ट्रक चालक पानी पीने के लिए रुका। खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी उसे पकड़ने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने चालक को ट्रक से नीचे उतरने के लिए कहा। इसी दौरान दोनों के बीच बहस होने लगी। बताया जा रहा है कि चालक ने ट्रक लेकर भागने की कोशिश की। इसी दौरान दिलीप पुरी नीचे गिर गए और ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से निकल गया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। दिलीप पुरी 2007 बैच के उप निरीक्षक थे। इससे पहले वह हीरा नगर और चंदन नगर थाने में भी तैनात थे।

दिवंगत थाना प्रभारी दिलीप पुरी के परिवार के साथ खड़ी है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास जिले के खातेगांव में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कर्तव्य निर्वहन करते हुए थाना प्रभारी दिलीप पुरी के असामयिक निधन पर गहन दु:ख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत थाना प्रभारी पुरी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना की विस्तृत जांच के लिए विशेष पुलिस महानिदेशक उपेंद्र जैन को तत्काल घटनास्थल पर रवाना किया है।

गिरफ्तारी के खिलाफ आजम खान ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, तत्काल सुनवाई से इनकार



नई दिल्ली (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने धनशोधन के एक नए मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आजम खान की ओर से पेश वकील निजाम पाशा की दलीलों पर विचार किया। पीठ ने संकेत दिया कि उनकी याचिका को इसी सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है, हालांकि तत्काल सुनवाई की मांग स्वीकार नहीं की।

प्रवर्तन निदेशालय ने आजम खान को शनिवार को गिरफ्तार किया था। इससे कुछ समय पहले ही उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को कथित दोहरे स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया गया था। इसके बाद ईडी ने उन्हें धनशोधन के नए मामले में गिरफ्तार कर लिया। गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से दर्ज 58 प्राथमिकी के आधार पर आजम खान और उनके कथित सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी का आरोप है कि सार्वजनिक कार्यों के लिए आवंटित सरकारी धन का इस्तेमाल रामपुर में निजी जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए किया गया।



पश्चिम बंगाल विधानसभा के शौचालय में मिला कैंटीन कर्मचारी का शव, परिसर की सुरक्षा पर उठे सवाल

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के भीतर सोमवार सुबह एक कैंटीन कर्मचारी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कर्मचारी का शव विधानसभा भवन के विश्राम कक्ष में बने शौचालय में मिला। घटना के बाद विधानसभा जैसे अति सुरक्षित और संवेदनशील परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान उमेश चंद्र दास के रूप में हुई है। वह पिछले 15 वर्षों से विधानसभा में अस्थायी कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था। कोलकाता पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध विभाग) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की हत्या जांच शाखा के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिस और विधानसभा सूत्रों के मुताबिक, सोमवार सुबह विधानसभा भवन के एक शौचालय में अन्य कर्मचारियों ने उमेश चंद्र दास को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल विधानसभा के संबंधित अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी गई। स्थानीय पुलिस थाने को भी घटना की जानकारी दी गई।सूचना मिलते ही हेयर स्ट्रीट थाने की पुलिस टीम विधानसभा परिसर पहुंची। पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की सहायता से कर्मचारी को विश्राम कक्ष से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।फिलहाल उमेश चंद्र दास की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसकी मृत्यु किसी शारीरिक बीमारी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है।



कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कर्नाटक विधान परिषद सदस्य डॉ यतींद्र सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना ने नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

सोनिया गांधी ने लालू प्रसाद यादव से की मुलाकात, स्वास्थ्य का जाना हाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सोनिया गांधी नई दिल्ली में राज्यसभा सदस्य मीसा भारती के सरकारी आवास पहुंचीं, जहां उन्होंने लालू यादव का कुशलक्षेम जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि सोनिया गांधी ने उनके आवास पहुंचकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली।

मणिपुर में लापता दो लोगों के शव मिले, सेनापति में तनाव; निष्पक्ष जांच की मांग

सुरक्षा बलों के संयुक्त तलाशी अभियान में हुई बरामदगी

तेजपुर (आरएनएस)। मणिपुर में लापता हुए दो लोगों के शव मिलने के बाद सेनापति जिले में तनाव का माहौल बन गया है। दोनों व्यक्ति 28 अक्टूबर को तफौ कुकी गांव से लापता हुए थे। उनकी तलाश में सुरक्षा बलों की ओर से कई दिनों से तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। रविवार, एक नवंबर को बड़े पैमाने पर चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद किए गए।मणिपुर पुलिस के अनुसार, दोनों लोगों के लापता होने की सूचना मिलने के बाद इलाके में अलग-अलग तलाशी अभियान शुरू किए गए थे। इसके लिए मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स की संयुक्त टीमें तैनात की गई थीं। पुलिस ने बताया कि अभियान के तहत एक नवंबर को मणिपुर पुलिस, कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा), सीआरपीएफ, असम राइफल्स और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के पूर्व में एसपी रोड के पास स्थित सामान्य क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों को दो शव मिले।पुलिस के मुताबिक, शवों की बरामदगी के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के उद्देश्य से इलाके में तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी रहेगा। इस बीच, दोनों शव मिलने के बाद सेनापति जिले के विभिन्न संगठनों ने घटना के संबंध में सवाल उठाए हैं। नागा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (एनपीओ) ने पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष कुबा पीटर ने कहा कि किसी भी तरह की हत्या निंदनीय है, चाहे पीड़ित या घटना में शामिल लोगों की पहचान और समुदाय कुछ भी हो। हालांकि, उन्होंने शवों की बरामदगी के समय को लेकर सामने आए अलग-अलग दावों पर चिंता जताई। पीटर के अनुसार, कुछ खबरों में दावा किया गया है कि शव शनिवार सुबह करीब 5:30 बजे मिले थे, जबकि पुलिस के बयान में कहा गया है कि रविवार को चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान शव बरामद किए गए।



उज्जैन में बनेगी भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई श्रीकृष्ण पाथेय न्यास कार्यसमिति की बैठक



भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण पर केंद्रित शोध वृत्त चित्र, नाट्य और संगीत श्रृंखलाओं के लिए समर्पित यूट्यूब डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन आरंभ करने की योजना है। इसके साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों के लिए उज्जैन में अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इन गतिविधियों को जन भागीदारी और विभिन्न शासकीय योजनाओं के समन्वय से व्यापक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के विचार वर्तमान में भी हमारा पथ प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन के सांदीपनि गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न स्थानों में यात्राएं की गयी। जन सामान्य के लिए ऐसे सभी स्थानों का महत्व तीर्थ के समान है। प्रदेश में स्थित ऐसे स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। जीवन प्रबंधन हो या अर्थव्यवस्था का संचालन सभी क्षेत्रों में भगवान कृष्ण के विचार आज भी सामयिक है। कृषि, गौ-संवर्धन सहित उनकी दक्षता वाली कलाओं और विद्याओं पर केंद्रित विचार सत्र और संगोष्ठियां प्रादेशिक व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह निर्देश सोमवार को श्रीकृष्ण पाथेय न्यास की कार्य समिति की मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, शिवशेखर शुक्ला, अनुपम राजन, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी तथा अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों का संरक्षण संवर्धन और प्रबंधन इस रूप में हो जिससे श्रद्धालु इन केन्द्रों से भावनात्मक रूप से जुड़ें और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदिरों से जुड़ी भूमियों का उपयोग मंदिर की बेहतर व्यवस्था करने पर विचार किया जाए। इसके अंतर्गत ऐसी भूमि पर कृषि के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की भी कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बड़े मंदिरों की आय के कुछ भाग का उपयोग क्षेत्र की गौशालाओं और आसपास के वृंदावन गांव की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थानों के विकास में कृष्ण भक्ति से जुड़े संस्थाओं का सहयोग लेने के लिए भी पहल की जाए।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का दूसरा दिन

मल्टी क्रापिंग से एक एकड़ में कमा सकते हैं 10 लाख सालाना

विशेषज्ञों ने कहा प्राकृतिक खेती में है मध्यप्रदेश आगे

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच विभिन्न विषयों पर ज्ञानवर्धक संवाद हुआ। विशेषज्ञों ने बताया कि एक एकड़ जमीन से 10 लाख तक



की सालाना आय प्राप्त की जा सकती है। उत्तर पूर्व के राज्यों में कई किसान खेती कर रहे हैं। मल्टी क्रापिंग इसका सर्वश्रेष्ठ उपाय है। दूसरा उपाय है उद्यानिकी फसलों का मूल्य संवर्धन। रीजनल सेंटर फार आर्गेनिक फार्मिंग नागपुर के रीजनल डायरेक्टर ए.एस राजपूत ने विस्तार से समझाया कि प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में क्या अंतर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश में आगे चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती में बाजार से खरीद कर खेतों में कुछ नहीं डालते। खेती के लिए जो भी संसाधन उपयोग में आये वह भूमि, पानी, पर्यावरण एवं जीवों को नुकसान पहुंचाने वाले नहीं हों। प्राकृतिक खेती के उत्पाद का प्रमाणीकरण करना जरूरी है। इससे इन उत्पादों की अलग से पहचान हो जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि केन्द्र सरकार दो प्रकार से प्रमाणीकरण करती है। पहला तृतीय पक्ष प्रमाणन और दूसरा भागीदारी गारंटी प्रणाली। प्रमाणीकरण करने वाली 36 संस्थाए है। यह कार्य एपीडा और केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा किया है। दूसरी प्रणाली किसान केन्द्रित और विश्वास आधारित है।राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में श्री राजदूत ने बताया कि अब किसान अपने खेतों की अच्छी सेहत और बाजार में अच्छी मांग को देखते हुए प्राकृतिक खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

भोपाल में दर्दनाक कांड

पहले परिवार के चार लोगों का कत्ल, फिर ट्रेन के सामने कूदकर दी जान? पांच मौतों से सनसनी



भोपाल (आरएनएस)। मालीखेड़ी में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गला रेतकर हत्या किए जाने की आशंका है, जबकि परिवार के मुखिया का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। मृतकों में नरेंद्र की मां, पत्नी और दो मासूम बच्चे शामिल हैं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच कर रही हैं राजधानी भोपाल में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छोला थाना क्षेत्र के मालीखेड़ी में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर के अंदर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में चार लोगों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या किए जाने की आशंका है। वहीं परिवार के मुखिया का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां में रेलवे ट्रैक पर मिला। शुरुआती आशंका है कि नरेंद्र साहू ने पहले अपनी मां, पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या की और इसके बाद ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत की खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों घटनास्थलों पर जांच शुरू कर दी है।मृतकों की पहचान नरेंद्र साहू (35), उनकी मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश साहू (6) के रूप में हुई है। नरेंद्र की मां, पत्नी और दोनों बच्चों के शव मालीखेड़ी स्थित उनके घर में मिले। चारों के गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। परिवार के मुखिया नरेंद्र साहू का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां में रेलवे ट्रैक पर मिला। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक घर में चार सदस्यों की मौत और रेलवे ट्रैक पर नरेंद्र का शव मिलने के बाद पुलिस को आशंका है कि उसने पहले परिवार के सदस्यों की हत्या की और फिर ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण कर जांच शुरू की। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इतनी बड़ी वारदात के पीछे क्या वजह रही। पुलिस पारिवारिक परिस्थितियों, आपसी विवाद और अन्य संभावित कारणों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता-पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा

पुलिस महानिदेशक ने जनसुनवाई, शिकायतों के समयबद्ध निराकरण और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रभावी प्रयासों की दी जानकारी

भोपाल (आरएनएस)। पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण, सेवा सुविधाओं और कार्य परिस्थितियों में निरंतर सुधार के उद्देश्य से राज्य संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक आज पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित हुई। बैठक में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों से जुड़े विभिन्न कल्याणकारी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।बैठक की शुरुआत देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी के कर्तव्य निर्वहन के दौरान गत रात्रि हुए आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त कर की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।



बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस एक अनुशासित वर्दीधारी संगठन है। संगठन की कार्यक्षमता और मनोबल बनाए रखने के लिए अनुशासन के साथ पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण पर ध्यान देना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य, पारिवारिक संतुष्टि और आर्थिक सुरक्षा से जुड़े विषयों का समय पर समाधान संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए अधिकांश निर्णयों का क्रियान्वयन किया जा चुका है। उन्होंने इकाई प्रमुखों को निर्देश दिए कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों तक समय पर पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए। पुलिस महानिदेशक ने सभी इकाई प्रमुखों को नियमित जनसुनवाई आयोजित करने, शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने तथा आम नागरिकों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील एवं अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भोपाल में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में जोखिम भरे निर्माण, 853 नोटिस जारी



विद्युत सुरक्षा को लेकर एमपी ट्रांसको चलाएगा जागरूकता अभियान

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में अति उच्च दाब (ईएचटी) ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में हो रहे निर्माण पर नोटिस जारी किये गए हैं। शहर की तीन प्रमुख 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) क्षेत्र में सामने आए मानव जीवन के लिये खतरा बने निर्माणों के संबंध में अब तक 853 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एमपी ट्रांसको) ने इन निर्माणों से संभावित विद्युत दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाने और संबंधित निर्माणकर्ताओं को सुरक्षा मानकों की जानकारी देने की तैयारी की है।एमपी ट्रांसको भोपाल के अधीक्षण अभियंता सुधीर नेमा ने बताया कि भोपाल में जिन तीन 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के आरओडब्ल्यू क्षेत्र में निर्माण के मामले सामने आए हैं, उनमें गोविंदपुरा भोपाल-बैरागढ़ टैप लालघाटी, भोपाल-आईटी पार्क और भोपाल-अमरावतखुर्द ट्रांसमिशन लाइन शामिल हैं। इन लाइनों के आसपास विभिन्न स्थानों पर निर्माण होने से निर्धारित विद्युत क्लियरेंस बनाए रखने की चुनौती सामने आई है।भोपाल में गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, करोंद, नारियलखेड़ा, देवकीनंदन नगर, बैरागढ़, आनंद नगर, जैन कॉलोनी कलियासोत, रतनपुरऔर आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के नजदीक तेजी से शहरी विस्तार हुआ है।



महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने सोमवार को मंत्रालय में भारतीय मजदूर संघ एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

स्वामित्व योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा करें : संभागायुक्त श्री शर्मा

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि संभाग के सभी जिलों में शासन की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा कर संभाग को प्रदेश में अव्वल बनाएं। साथ ही राजस्व, लोकसेवा गारंटी प्रबंधन एवं विभिन्न शाखाओं में लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।संभागायुक्त श्री शर्मा ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय सभागार में संभागायुक्त कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के लंबित प्रकरणों एवं स्वामित्व योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा और सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने लंबित भूमि आवंटन प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण, लोकसेवा गारंटी अधिनियम प्रकरण, आयुक्त कार्यालय की विकास शाखा में लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। भोपाल जिले में राजस्व एवं लोकसेवा गारंटी योजना के लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक होने से उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने राजस्व एवं लोकसेवा प्रबंधन में संभाग में लंबित प्रकरणों एवं 50 दिन से अधिक की लंबित विभागीय शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

अंतर्राज्यीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह के आरोपी रिजवान की जमानत याचिका खारिज

भोपाल (आरएनएस)। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, क्षेत्रीय इकाई इंदौर ने काले हिरण एवं चिंकारा का शिकार कर अंतर्राज्यीय स्तर पर तस्करी करने वाले संगठित गिरोह के आरोपी रिजवान की जमानत याचिका उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर द्वारा 29 अक्टूबर, 2026 को खारिज कर दी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स क्षेत्रीय इकाई इंदौर ने वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम और भारतीय वन अधिनियम के तहत एक बड़ी कानूनी सफलता हासिल की है।प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव के दिशा-निर्देश में एसटीएफ इकाई इंदौर, स्थानीय पुलिस और वन मण्डल इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में किशनगंज इंदौर क्षेत्र में एक विशेष कार्रवाई की गई थी। इस दौरान लगभग 65 किलोग्राम वन्य-जीव मांस, एक देशी पिस्टल, 3 जीवित कारतूस तथा तस्करी में प्रयुक्त टोयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहन जप्त कर 3 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इस संदर्भ में वन मण्डल इंदौर द्वारा भारतीय वन अधिनियम-1927 एवं वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम-1972 के प्रावधानों के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण 3 दिसम्बर, 2024 को दर्ज किया गया था। प्रकरण की संवेदनशीलता और गिरोह के व्यापक नेटवर्क को देखते हुए अग्रिम विवेचना का दायित्व स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इंदौर को सौंपा गया था। जाँच के दौरान नवीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाते हुए एसटीएसएफ ने अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह के विरुद्ध पृथक प्रकरण दर्ज कर गहन जाँच प्रारंभ की, जिसमें मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र व गैर वन क्षेत्र के साथ ही पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर वन्य-जीवों के अवैध शिकार और इस अपराध के अंतर्राज्यीय स्तर पर जुड़े होने का मामला उजागर हुआ।

भोपाल शहर के सभी रोड दीपावली के पहले हों गड्ढा मुक्त : संभागायुक्त श्री शर्मा

संभागायुक्त ने भोपाल की सड़कों के बेहतर रख-रखाव के दिये निर्देश सड़क निर्माण एजेंसियों की बैठक ली



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि भोपाल शहर के सभी रोड तक दीपावली तक गड्ढा मुक्त करें एवं रिंग रोड की मरम्मत की जाए। इसके साथ ही ब्लेक स्पॉट फ्री एवं चौराहों को लेफ्ट टर्न फ्री बनाने के निर्देश भी दिए गए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने संभागायुक्त कार्यालय में सोमवार को भोपाल शहर एवं संभाग के सभी जिलों की सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के सम्बन्ध में सड़क निर्माण एजेंसियों की बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, प्रबंधक एनएचएआई आकाश चौकसे, सहायक महाप्रबंधक एमपीआरडीसी भोपाल आर.एस.कीर, एसईसीपीए पीडब्ल्यूडी सीमा प्रभाकर, एसई पीडब्ल्यूडी सुभाष पाटिल, ईई पीडब्ल्यूडी प्रीति यादव, महाप्रबंधक भोपाल प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना सनी सिंघानिया उपस्थित थे। संभाग के सभी जिलों से निर्माण एजेंसियों के अधिकारी एवं नगरीय निकायों से सीईओ वीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित हुए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में भोपाल शहर एवं आस-पास की सड़कों को दीवाली के पूर्व मरम्मत कार्य कर गड्ढा मुक्त करने एवं ब्लैक स्पॉट दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में शहर के सभी मार्गों के रोड रेस्टोरेंशन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में भोपाल शहर के आसपास के राष्ट्रीय राज्य मार्गों में मेंटेनेंस का कार्य 15 नवंबर तक पूर्ण करने तथा इज्तिमा की तैयारियों को लेकर शहर के चारों तरफ के मार्गों का कार्य 20 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इज्तिमा स्थल के लिए पहुँच मार्ग के कार्यों को तय समय में पूर्ण करें।

संभागायुक्त ने कहा कि आगामी जनवरी माह में भोपाल में जीआईएस प्रस्तावित है। उन्होंने भोपाल के आसपास सांची, भोजपुर जैसे पर्यटन स्थलों की सड़कों पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए। मेट्रो के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कें सुधारने में तत्परता बरतने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से यह सुनिश्चित करें कि सड़कें बेहतर हों और आम जनता को परेशानी न हो। इसके साथ ही मेट्रो वाले मार्गों की सड़कों के लिए मेट्रो एवं संबंधित निर्माण एजेंसी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें एवं मार्गों पर तत्काल प्रभाव से सुगम आवागमन सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए वर्षाकाल में खराब हुई सडकों को दुरुस्त करें एवं कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि भोपाल शहर में सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव के लिए कार्य कर रही सभी एजेंसियों में परस्पर समन्वय रहना चाहिए। श्री शर्मा ने संत हिरदाराम नगर में बन रहे ओवर ब्रिज की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि यह निर्माण निर्धारित समय में पूरा होना चाहिए।

दिलजीत दोसांझ के शो में जाने को लेकर तीन स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मेल के बाद मचा हड़कंप



इंदौर (आरएनएस)। इंदौर में 15 नवंबर को प्रस्तावित दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट से पहले तीन से चार स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। मेल में कॉन्सर्ट में शामिल होने वाले लोगों को निशाना बनाने की धमकी दी गई। पुलिस, बम स्क्वॉड और क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। धमकी की पुष्टि नहीं हुई है।

इंदौर में मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के प्रस्तावित लाइव कॉन्सर्ट से पहले शहर में दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। 15 नवंबर को इंदौर में होने वाले दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट से पहले शहर के तीन से चार स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजे गए हैं। इन ई-मेल में धमकी दी गई है कि यदि कोई भी व्यक्ति दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचा तो उस जगह को बम से उड़ा दिया जाएगा। स्कूलों को मिले इन धमकी भरे ई-मेल के बाद स्कूल प्रबंधन और प्रशासन में हड़कंप मच गया।जानकारी के मुताबिक, शहर के तीन से चार स्कूलों के प्रबंधन को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली। ई-मेल में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का जिक्र करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को निशाना बनाने की बात कही गई है। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद मामले की जानकारी बम स्क्वॉड टीम और क्राइम ब्रांच तक पहुंची। सूचना मिलते ही बम स्क्वॉड की टीम पुलिस अधिकारियों के साथ धमकी मिलने वाले स्कूलों में पहुंची और वहां सर्चिंग अभियान शुरू किया। टीम द्वारा स्कूल परिसर, कक्षाओं और आसपास के संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी का पता लगाया जा सके।

किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें अधिकारी : कलेक्टर डॉ. सोनवणे

बैतूल (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किसानों एवं हार्वेस्टर संचालकों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं, फसल कटाई एवं कृषि अवशेष प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ समझना और उनका समय पर निराकरण करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने कहा कि सूदखोरों द्वारा किसानों को परेशान करने, धमकाने अथवा वसूली के लिए अनुचित दबाव बनाने की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान संकट में है या उसे किसी प्रकार से परेशान किया जा रहा है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कलेक्टर ने कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। किसानों को कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रेरित किया जाए।

घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग और व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य विभाग की कार्रवाई

गोल पहाड़िया क्षेत्र से रिफिलिंग करते हुए चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त



ग्वालियर (ए.)। घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और अवैध रिफिलिंग पर रोक लगाने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने सोमवार को गोल पहाड़िया क्षेत्र में मुकेश गैस रिफिलिंग के यहां जांच के दौरान चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। जांच में सामने आया कि घरेलू गैस सिलेंडरों से रिफिलर और पाइप के माध्यम से पांच किलोग्राम क्षमता वाले छोटे सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। इस गैस का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। विभाग ने मौके से चारों घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर राजा गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दे दिए हैं। इस मामले में संबंधित मुकेश कुशवाह के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार कर कलेक्टर महोदया के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग की इस कार्रवाई से घरेलू गैस सिलेंडरों के अनधिकृत उपयोग और अवैध रिफिलिंग पर रोक लगाने का संदेश गया है। घरेलू गैस का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हो, इसके लिए विभाग द्वारा ऐसी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर चलती मालवाहक गाड़ी से 65.75 लाख का सामान चोरी, सील तोड़कर 43 कार्टन ले उड़े बदमाश

आगर मालवा (आरएनएस)। जिले में गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर चलती हुई एक मालवाहक गाड़ी से अज्ञात बदमाशों ने सील तोड़कर 43 कार्टन सामान पार कर दिया। चोरी हुए सामान में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स, ड्राई फ्रूट्स और फुटवियर जैसी कीमती वस्तुएं शामिल थीं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 65 लाख 75 हजार रुपये बताई जा रही है। यह वारदात बड़ौद थाना क्षेत्र की है। घटना की जानकारी मिलने के उपरांत बड़ौद थाना पुलिस ने शनिवार रात अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की विस्तृत जांच आरंभ कर दी है।बड़ौद थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित कंटेनर चालक बबलू कुमार (27), पिता भूप सिंह, मूल रूप से उत्तर प्रदेश राज्य के अलीगढ़ जिले स्थित लोढ़ा गांव के निवासी हैं। वे अंबाला से सामान लादकर इंदौर की तरफ जा रहे थे। चालक ने पुलिस को बताया कि 28 अक्टूबर की रात लगभग 2 बजे जब वे गरोठ-उज्जैन फोरलेन मार्ग से गुजर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक चालक ने उन्हें कंटेनर का पिछला दरवाजा खुला दिखाई देने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही चालक ने तुरंत सड़क किनारे गाड़ी रोकी और पीछे जाकर देखा तो सील टूटी हुई पाई गई। जांच करने पर पता चला कि गाड़ी में रखे 43 कार्टन गायब हैं। अंदेशा जताया जा रहा है कि शातिर बदमाशों ने रफ्तार से चल रहे वाहन पर चढ़कर सील काटी और पिछला दरवाजा खोलकर सामान चोरी कर लिया।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वरिष्ठजनों हेतु एक दिवसीय संवेदनशील एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन, (आरएनएस)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत वरिष्ठजनों के कल्याण, उनके अधिकारों के संरक्षण तथा समाज में उनके प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से स्टेट एक्शन प्लान 2026-27 के तहत मध्यप्रदेश शासन की सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मंशा अनुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संभाग उज्जैन तथा उज्जयिनी वरिष्ठ नागरिक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम, उज्जैन में गत दिवस मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संवेदनशील एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रात: 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक विविध सत्रों में



आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व शांति एवं वरिष्ठजनों के कल्याण हेतु वैदिक यज्ञ के साथ हुआ। इसके पश्चात प्राथमिक सीपीआर प्रशिक्षण, भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम संबंधी जागरूकता, संवाद सत्र, जागरूकता रैली, खेलकूद प्रतियोगिताएँ, फिल्म प्रदर्शन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम की खासियत यह रही कि इसमें तीन पीढ़ियाँ एक साथ उपस्थित रहीं, जहाँ बच्चों और युवाओं ने वरिष्ठजनों के साथ समय बिताया तथा विशेष मालवी व्यंजनों का लुत्फ उठाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सतीश कुमार, संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय विभाग, उज्जैन ने कहा कि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम निरंतर 40 वर्षों से वरिष्ठजनों की सेवा का कार्य कर रहा है। यहाँ विभिन्न श्रेणी की दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति निवासरत हैं। आज उनके चेहरों पर खुशी देखकर लगता है कि हमारा यह कार्यक्रम सार्थक रहा। संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने कहा कि प्रात:काल से सायंकाल तक विविध सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक यज्ञ, प्राथमिक सीपीआर प्रशिक्षण, भरण-पोषण अधिनियम संबंधी जानकारी, संवाद, जागरूकता रैली, खेलकूद, फिल्म तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। उन्होंने कहा कि जनरेशन गैप को पाटने का यह प्रयास सराहनीय रहा, जिसमें बच्चों एवं युवाओं ने वरिष्ठजनों के साथ समय व्यतीत किया।

व्यापार समाचार

कोल इंडिया ने 51वें स्थापना दिवस पर बनाया रिकॉर्ड, अक्टूबर में 70.3 मिलियन टन कोयला आपूर्ति दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपने 51वें स्थापना दिवस पर उत्पादन और आपूर्ति के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बनाते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अक्टूबर 2026 में अब तक की सर्वाधिक मासिक कोयला आपूर्ति और उत्पादन दर्ज किया, साथ ही बिजली क्षेत्र को भी रिकॉर्ड स्तर पर कोयले की आपूर्ति की।

आधिकारिक बयान के अनुसार, अक्टूबर के दौरान सीआईएल ने 70.3 मिलियन टन (एमटी) कोयले की आपूर्ति की, जो किसी भी महीने में कंपनी की अब तक की सबसे अधिक आपूर्ति है। इससे पहले मार्च 2026 में 69.4 मिलियन टन आपूर्ति का रिकॉर्ड बना था। इस प्रकार कंपनी की कोयला आपूर्ति में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

बिजली क्षेत्र को कोयला उपलब्ध कराने के मामले में भी कंपनी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। अक्टूबर में सीआईएल ने बिजली संयंत्रों को 57.1 मिलियन टन कोयले की आपूर्ति की, जो अब तक का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। इससे पहले मई 2024 में 56.5 मिलियन टन की आपूर्ति का रिकॉर्ड था। इस श्रेणी में भी सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उत्पादन के मोर्चे पर भी कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया। अक्टूबर 2026 में कोल इंडिया का कुल कोयला उत्पादन 67.2 मिलियन टन रहा, जो अब तक का सर्वोच्च मासिक उत्पादन है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में 62.47 मिलियन टन उत्पादन का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इस बार उत्पादन में भी सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रेल परिवहन के माध्यम से कोयला निकासी (इवैक्यूएशन) में भी कंपनी ने नया रिकॉर्ड बनाया। बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 310 रेल रेक लोड किए गए, जो किसी भी महीने का सर्वाधिक स्तर है। इससे पहले मार्च 2025 में प्रतिदिन 302.8 रेक लोड करने का रिकॉर्ड था।

बयान में कहा गया है कि 1 नवंबर 1975 को स्थापित कोल इंडिया लिमिटेड ने पिछले पांच दशकों में देश के ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी ने अपने संचालन के पहले वर्ष में 79 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन दर्ज किया था। इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2025-26 में उसका उत्पादन बढ़कर 768 मिलियन टन हो गया, जो लगभग दस गुना वृद्धि को दर्शाता है।कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 815 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भारत और यूरोपीय संघ ने एफटीए के तहत बाजार पहुंच और व्यापार सुगमता बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने व्यापक आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत व्यापार और निवेश संबंधों को विस्तार देने, बाजार पहुंच बेहतर बनाने, सप्लाई चेन की मजबूती बढ़ाने और व्यापार सुगमता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में व्यापार और आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय (डीजी ट्रेड) की महानिदेशक डिटे जूल जोर्गेनसन, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी महानिदेशालय (डीजी आईएनटीपीए) के महानिदेशक कोएन डोएन्स, और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय (डीजी टीएएक्सयूडी) के महानिदेशक गेरासिमोस थॉमस के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें कीं।वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, ये बैठकें व्यापार, निवेश, विकास सहयोग, कराधान और सीमा शुल्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ सहयोग के बढ़ते दायरे को दर्शाती हैं और दोनों पक्षों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। डिटे जूल जोर्गेनसन के साथ हुई बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने, बाजार पहुंच बढ़ाने, सप्लाई चेन को अधिक लचीला बनाने और व्यवसायों के लिए नए अवसर सृजित करने पर विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने एक निष्पक्ष, संतुलित और परस्पर लाभकारी समझौते की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई तथा शेष प्रक्रियागत और क्रियान्वयन संबंधी मुद्दों पर करीबी संवाद जारी रखने पर सहमति जताई।

राजनीतिक आयोजन खत्म हो जाते हैं, लेकिन व्यापारिक नुकसान लंबे समय तक रहता है, इंडिया ब्लॉक रैली पर दिल्ली व्यापार महासंघ

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) ने सोमवार को बीते 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया ब्लॉक की रैली के बाद व्यापार जगत का दृष्टिकोण सामने रखते हुए कहा है कि यह आयोजन राजनीतिक दलों के लिए अपनी बात रखने और शक्ति प्रदर्शन का अवसर रहा होगा, लेकिन दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए इसने कई आर्थिक चिंताएं और सवाल छोड़ दिए हैं। संगठन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण कारोबारी सीजन के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ना चिंता का विषय है।डीवीएम ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली के थोक बाजार केवल राजधानी की अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि देशभर के लाखों छोटे व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और आपूर्ति शृंखला से जुड़े कारोबारियों की आजीविका का आधार हैं। ऐसे में त्योहारी सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा का प्रभाव दिल्ली तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। महासंघ ने कहा कि रैली के कारण कारोबारी मौसम के महत्वपूर्ण दिनों में बाजारों की सामान्य



गतिविधियां प्रभावित हुईं। दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले छोटे व्यापारियों की खरीदारी और व्यापारिक योजनाओं पर असर पड़ा। साथ ही दुकानदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, ट्रांसपोर्टरों और उनसे जुड़े परिवारों की आय भी प्रभावित हुई।संगठन ने आगे बताया कि दिल्ली के प्रमुख बाजारों की सामान्य कारोबारी व्यवस्था और उनकी व्यापारिक छवि को भी झटका लगा। इसके अलावा, ग्राहकों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या अन्य व्यापारिक केंद्रों की ओर रुख करने की संभावना भी बढ़ी, जो लंबे समय में स्थानीय कारोबार के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि डीवीएम ने यह भी माना कि इस पूरे घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। संगठन के मुताबिक, दिल्ली के व्यापारिक समुदाय की समस्याओं और चिंताओं को व्यापक सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने का अवसर मिला। इसके साथ ही देश की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति व्यवस्था में दिल्ली के थोक बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका एक बार फिर प्रमुखता से सामने आई।महासंघ का कहना है कि इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में बड़े राजनीतिक या सार्वजनिक आयोजनों की योजना बनाते समय व्यापारिक हितों, जनसुविधाओं और यातायात प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है।दिल्ली व्यापार महासंघ ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि वह लोकतांत्रिक अधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों का सम्मान करता है। संगठन का मानना है कि प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इसके साथ व्यापार, रोजगार, आम नागरिकों की सुविधा और आर्थिक गतिविधियों के प्रति जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

1 जनवरी 2027 से बदलेंगे हवाई किराये के नियम, एयरलाइंस को मिलेगी मनमाना किराया तय करने की छूट!

नई दिल्ली (आरएनएस)। हवाई सफर करने वालों के लिए आने वाले समय में टिकट बुकिंग का गणित बदलने वाला है। केंद्र सरकार ने हवाई किराये से जुड़े नियमों में बदलाव करते हुए भारतीय वायुयान नियम, 2026 का नोटिफिकेशन जारी किया है। नए नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। इसके बाद सामान्य परिस्थितियों में एयरलाइन कंपनियां अपनी संचालन लागत और बाजार की मांग के हिसाब से हवाई किराया तय कर सकेंगी। यानी सरकार सामान्य दिनों में हवाई टिकटों के किराये को घटाने या बढ़ाने के लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं करेगी। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के पास हस्तक्षेप करने का अधिकार रहेगा। नई व्यवस्था के तहत एयरलाइन कंपनियों को टिकटों की कीमत तय करने में पहले से अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। वे अपनी परिचालन लागत और यात्रियों की मांग के आधार पर किराया निर्धारित कर सकेंगी। सरकार सामान्य परिस्थितियों में किराये पर कैप यानी अधिकतम सीमा लागू नहीं करेगी। इसका मतलब है कि अलग-अलग एयरलाइंस के टिकटों की कीमतों में अंतर हो सकता है और मांग के अनुसार किराये में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकता है।हालांकि, नए नियमों का यह मतलब नहीं है कि एयरलाइन कंपनियों को किराया वसूलने की पूरी मनमानी मिल जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक, आम यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के पास विशेष अधिकार सुरक्षित रहेंगे। देश में किसी आपात स्थिति, प्राकृतिक आपदा या अन्य असाधारण परिस्थिति के दौरान सरकार हस्तक्षेप कर सकती है। ऐसी स्थिति में एयरलाइन कंपनियों को जरूरी निर्देश जारी किए जा सकेंगे, ताकि यात्रियों से अनुचित या अत्यधिक किराया न वसूला जाए।

दिवाली से पहले बाजार ने पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स में 900 अंकों की बढ़त, निफ्टी में 1 प्रतिशत की तेजी



मुंबई। मजबूत घरेलू और वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ हरे निशान में खुला। अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के कारण प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा तक की तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पिछले बंद भाव 74,459.53 के मुकाबले 75,178.24 पर खुला, जो 718.71 अंकों या 0.96 प्रतिशत की तेजी को दर्शाता है। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 ने अपने पिछले बंद भाव 23,053.10 से 169.2 अंक या 0.73 प्रतिशत उछलकर 23,222.30 पर सत्र की शुरुआत की। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 906.53 अंकों यानी 1.21 प्रतिशत की तेजी दर्ज करते हुए 75,366.06 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि निफ्टी ने 248.15 अंकों यानी 1.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,301.25 का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.83 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, सबसे ज्यादा मजबूती ऊर्जा क्षेत्र में देखने को मिली। निफ्टी ऑयल एंड गैस सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो 0.77 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखाई दिया। दूसरी ओर रियल्टी और मीडिया शेयरों में हल्की कमजोरी रही। निफ्टी रियल्टी 0.74 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 0.06 प्रतिशत नीचे रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय बाजार में तेजी लौटने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके पीछे घरेलू और वैश्विक दोनों स्तरों पर सकारात्मक कारक काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में पिछले सप्ताह के 118 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर से गिरावट आकर लगभग 110 डॉलर तक पहुंचना बाजार के लिए राहत की बात है। इसके साथ ही अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 4.93 प्रतिशत तक नीचे आना भी निवेशकों की धारणा को समर्थन दे रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित वैश्विक निवेश थीम में कमजोरी का भारत को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। पिछले सप्ताह नैस्डैक में 2.8 प्रतिशत की गिरावट के बाद निवेशकों की रुचि अन्य बाजारों की ओर बढ़ रही है और भारत को इसका फायदा मिलने की संभावना जताई जा रही है। विश्लेषकों ने आगे कहा कि घरेलू मोर्चे पर भी कई मजबूत संकेत दिखाई दे रहे हैं। बैंकिंग क्षेत्र में 17.94 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ और अक्टूबर में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह ने यह संकेत दिया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। बाजार में यह भी चर्चा है कि आगामी केंद्रीय बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स व्यवस्था में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि बाजार इन संभावनाओं को पहले से कीमतों में शामिल करना शुरू कर चुका है। तकनीकी विश्लेषण के लिहाज से निफ्टी का आरएसआई (आरएसआई) 53.50 पर पहुंच गया है, जो उसकी औसत रीडिंग 45.97 से ऊपर है और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। पुट-कॉल रेशियो (पीसीआर) 1.24 पर है, जो डेरिवेटिव्स बाजार में सकारात्मक रुझान का संकेत देता है। निफ्टी के लिए 22,900 से 23,000 का स्तर प्रमुख समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र माना जा रहा है, जबकि 23,200 से 23,250 का दायरा निकटतम प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र है।

सम्पादकीय



अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अचानक आई आपदा नहीं

एनडीएमए के भीड़ प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों को धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ के अगले ही दिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास दर्दनाक दुर्घटना हुई। कोलकाता में 19 और ग्वालियर में 15 श्रद्धालुओं की जान गई। हालांकि दो अलग जगहें हैं, दो घटनाएं हैं, और हादसों के शिकार पात्र अलग हैं, लेकिन दोनों दुर्घटनाओं में कई समान बातें हैं। बेशक, एक सड़क हादसा है, दूसरा भीड़ प्रबंधन की विफलता- लेकिन दोनों की जड़ में एक ही सच्चाई छिपी है कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को लग्जरी मानने का नजरिया कायम है। ऐसा इसलिए है कि हर साल धार्मिक स्थलों पर ऐसे अनगिनत हादसे होने के बावजूद ना कोई सीख ली जाती है, और ना ही कोई प्रभावी जवाबदेही तय होती है। ग्वालियर में ट्रक उस सड़क पर पहुंच गया जहां नो एंट्री थी और दोपहिया वाहनों तक को रोका जा रहा था।

ऐसे में बैरिकेड तोड़ कर ढलान से नीचे उतरते हुए ट्रक ने कैसे श्रद्धालुओं को कुचला, यह रहस्यमय है। पुलिस को मालूम था कि नवरात्रि में भारी भीड़ होगी, फिर भी वह पुख्ता इंतजाम करने में नाकाम रही। राहत कार्य का आलाम यह था कि पीड़ित परिवारों को खुद क्रेन किराए पर लेनी पड़ी, ताकि शव बाहर निकाले जा सकें। उधर कोलकाता के चोरबागान पंडाल में एक ही निकास था, गलियां संकरी थीं, अंदर अंधेरा था, और बारिश की स्थिति में लोगों को नियमित रूप से निकालने की व्यवस्था नहीं थी। आयोजकों की सुरक्षा संबंधी घोषणा और सुरक्षा गार्डों की सीटियों ने भगदड़ को और भड़का दिया।

गौरतलब है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं थी- बीते दिनों ही बैरिकेड कई बार टूट चुके थे, फिर भी अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत नहीं समझी गई। हादसों के बाद की कहानी भी घिसीपिटी है: कुछ पुलिसकर्मियों का निलंबन, आयोजकों की गिरफ्तारी, मुआवजे की घोषणा और जांच आयोग का गठन। जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में ही भीड़ प्रबंधन के दिशा-निर्देश तैयार किए थे। धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद उसे पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म और दर्द की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन बनाम आर्थिक नुकसान, कैसे होगी भरपाई

संजीव ठाकुर,

लोकतंत्र का अर्थ केवल अपनी बात मनवाना नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी है। सत्ता की कुर्सी स्थायी नहीं होती, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था और जनता की मेहनत से निर्मित संपत्ति पूरे राष्ट्र की धरोहर है। इसलिए अब समय आ गया है कि हर राजनीतिक प्रदर्शन के साथ आर्थिक जवाबदेही भी तय हो। क्योंकि देशहित से बड़ा न कोई दल है, न कोई नेता और न ही कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा।

लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन है। इस व्यवस्था में अपनी बात मनवाने, असहमति जताने और सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार हर नागरिक और राजनीतिक दल को संविधान ने दिया है। अनुच्छेद-19 के तहत मिला शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र की प्राण वायु है। किंतु, जब यही लोकतांत्रिक प्रदर्शन अनियंत्रित होकर चक्काजाम, तोड़फोड़, आगजनी और अनिश्चितकालीन अवरोधों में बदल जाते हैं, तब वे जनहित के बजाय राष्ट्रीय क्षति का पर्याय बन जाते हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इसमें प्रत्येक नागरिक, राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और विचारधारा को अपनी बात रखने, असहमति व्यक्त करने तथा सत्ता के सामने सवाल उठाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। सत्ता पक्ष हो अथवा विपक्ष, दोनों को अपनी राजनीतिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता है। धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस और शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वाभाविक अंग हैं। लेकिन जब यही लोकतांत्रिक अधिकार शक्ति प्रदर्शन, रास्ता रोकने, बाजार बंद कराने, सरकारी कामकाज बाधित करने और सार्वजनिक जीवन को अस्त-व्यस्त करने का माध्यम बन जाता है, तब एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर इस कथित लोकतांत्रिक गतिविधि की आर्थिक कीमत कौन चुकाएगा ?आज सवाल यह नहीं है कि विरोध करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि इस तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन के नाम पर देश को जो भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, उसकी भरपाई कौन और कैसे करेगा? जब राजधानी या देश के किसी भी बड़े हिस्से में राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए सड़कों को महीनों या हफ्तों के लिए बंधक बना लिया जाता है, तब केवल प्रशासनिक व्यवस्था ही ध्वस्त नहीं होती, बल्कि देश की धड़कन यानी अर्थव्यवस्था भी



लड़खड़ा जाती है .व्यापार और खुदरा बाजार का संकट: त्यौहारों या पीक सीजन के दौरान होने वाले प्रदर्शन बाजारों की कमर तोड़ देते हैं। सरोजनी नगर, कनॉट प्लेस या देश के अन्य बड़े व्यावसायिक केंद्रों के दुकानदारों का करोड़ों का व्यापार ठप हो जाता है। खरीदार घरों में कैद रहने को मजबूर होते हैं, और छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी वालों तथा दैनिक वेतन भोगियों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जाता हैद्य सड़कों के जाम होने से लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन की रफ्तार थम जाती है। समय पर माल न पहुंच पाने से उद्योगों का उत्पादन प्रभावित होता है और वैश्विक स्तर पर देश की साख को तगड़ा झटका लगता हैद्य प्रदूषण कार्यों को यह अंदाजा नहीं होता कि उनके कारण करोड़ों मानव-घंटों की बर्बादी होती है. एंबुलेंस में जूझते मरीज, समय पर दफ्तर या परीक्षा केंद्र न पहुंच पाने वाले युवा और ईंधन की बर्बादी यह वह अदृश्य नुकसान है जिसे कोई जीडीपी के आंकड़ों में सीधे तौर पर दर्ज नहीं करता, लेकिन देश का हर आम नागरिक इसे रोज भोगता है।दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज विरोध प्रदर्शन जनहित से ज्यादा राजनीतिक अस्तित्व और सत्ता के समीकरणों को साधने का जरिया बन चुके हैं। सत्ता में बैठी पार्टी हो या विपक्ष, दोनों के लिए आंदोलन एक ऐसा हथियार बन गया है जहाँ देश के आर्थिक नुकसान की कीमत पर अपनी राजनीतिक जमीन तलाशनी आसान लगती है।

जब विपक्ष सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन कर सरकार को घेरने की कोशिश करता है, तो आम जनजीवन दांव पर लग जाता है। इसके विपरीत, सत्ता पक्ष अक्सर इन अवरोधों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखता है, और समस्या के मूल समाधान के बजाय इसे एक-दूसरे पर छींटाकशी का माध्यम बना लेता है।

इस संदर्भ में, हाल ही में मुख्यधारा के राजनेताओं के विरोधाभासी वक्तव्य भी सामने आए हैं। सत्ता पक्ष जहाँ इन प्रदर्शनों को अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी और प्रायोजित अराजकता करार देता है, वहीं विपक्ष के प्रमुख नेता जैसे लोकसभा में विपक्ष के अनेक राजनेता भी रैलियों और प्रदर्शनों के बीच जनता को यह सलाह देते नजर आते हैं कि प्रदर्शन भी करो और साथ में छोटे दुकानदारों से खरीदारी भी करो ताकि व्यापारियों का नुकसान न हो।

लेकिन सवाल यह है कि क्या महज़ रैलियों के बीच थोड़ी-बहुत खरीदारी करने की अपील से उन करोड़ों के नुकसान की भरपाई हो सकती है, जो सप्लाई चेन टूटने, ट्रैफिक ठप होने और अनिश्चितकालीन बंदी से उद्योगों व खुदरा बाजार को झेलना पड़ता है? राजनीतिक मंचों से दिए जाने वाले ये बयान महज बयानबाजी बनकर रह जाते हैं, जबकि यथार्थ के धरातल पर नुक्सान का बोझ सिर्फ और सिर्फ आम जनता और देश की अर्थव्यवस्था उठाती है। इस विकट स्थिति से उबरने के लिए अब केवल नैतिक उपदेशों से काम नहीं चलेगा, बल्कि कड़े और स्पष्ट प्रशासनिक तथा कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता हैद्य सुप्रीम कोर्ट और विधि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने पर केवल अज्ञात भीड़ पर केस दर्ज करने के बजाय प्रदर्शन के मुख्य आयोजकों और राजनीतिक दलों के नेताओं को आर्थिक रूप से जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। नुकसान का आकलन कर उसकी वसूली सीधे उन दलों या संगठनों की संपत्तियों से होनी चाहिए जिन्होंने आन्दोलन का आह्वान किया थाद्य न्यायपालिका को अब ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाते हुए संवैधानिक टॉर्ट के सिद्धांतों के तहत उन लोगों को मुआवजा दिलाने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए, जिनका व्यापार, समय और अधिकार इन मनमाने अवरोधों की भेंट चढ़ जाता ह दुनिया के कई विकसित देशों की तरह भारत में भी विरोध प्रदर्शनों के लिए शहरों से बाहर या निश्चित प्रजातांत्रिक स्थल तय होने चाहिए, जहाँ आम जनता का जनजीवन, ट्रैफिक और अर्थव्यवस्था बाधित हुए बिना लोग अपनी आवाज बुलंद कर सकें द्य लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए, किंतु असंतोष व्यक्त करने के अधिकार की कोई ऐसी कीमत नहीं होनी चाहिए, जिसे पूरा देश चुकाने के लिए विवश हो जाए। सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने या वहां टिके रहने की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं देश की आर्थिक प्रगति के पहिये को जाम करने का लाइसेंस नहीं बन सकतीं।

जब तक प्रदर्शनकारियों और उनके आकाओं को यह अहसास नहीं कराया जाएगा कि सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और अर्थव्यवस्था को पीछे धकेलने की एक भारी आर्थिक कीमत चुकानी होगी, तब तक देश की प्रगति यूं ही बाधित होती रहेगी। अब समय आ गया है कि राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एक कठोर राष्ट्रीय नीति बनाई जाए, जो अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य और उत्तरदायित्व को भी उतनी ही दृढ़ता से लागू करे।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की विकास गाथा और मोदी सरकार का निर्णायक आर्थिक दृष्टिकोण

डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा

आज पूरा विश्व एक अभूतपूर्व संकट, अस्थिरता और युद्धों के दौर से गुजर रहा है। यूरोप में जारी संघर्ष हो या पश्चिम एशिया में गहराता तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाएं छिन्न-भिन्न हैं, वैश्विक ऊर्जा बाजार दबाव में है और विकसित अर्थव्यवस्थाएं सुस्ती तथा मुद्रास्फीति की दोहरी मार से जूझ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जहां वैश्विक विकास दर के मात्र 3.1 से 3.2 प्रतिशत के आसपास सीमित रहने का अनुमान जताया है, वहीं ऐसे जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर में भारत का विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से खड़े रहना किसी आर्थिक चमत्कार से कम नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व, दूरगामी नीतियों और सुधारोन्मुखी शासन का ही प्रत्यक्ष प्रमाण है।

आईएमएफ की नवीनतम 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट ने इस पर आधिकारिक मुहर लगाई है। आईएमएफ के ताजा अनुमान के अनुसार, भारत की जीडीपी विकास दर 2026 और 2027, दोनों वर्षों में 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा महज एक सांख्यिकी नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती और लचीलेपन का साक्षात प्रमाण है। जहां दुनिया की बड़ी-बड़ी महाशक्तियां मंदी की आशंकाओं से घिरी हैं, वहीं भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि के सबसे बड़े



इंजन के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश ने नीतिगत निरंतरता और साहसिक संरचनात्मक सुधारों का नया अध्याय देखा है। पीएम गति शक्ति, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पूंजीगत व्यय में निरंतर रिकॉर्ड वृद्धि ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प कर दिया है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे संकल्पों ने घरेलू विनिर्माण को अभूतपूर्व संबल प्रदान किया है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) योजनाओं के प्रभाव से आज भारत मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण का वैश्विक केंद्र बन चुका है, जिससे लाखों नए रोजगार सृजित हुए हैं।इसके साथ ही, डिजिटल इंडिया और यूपीआई ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक वित्तीय समावेशन पहुँचाया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत हजारों गैर-जरूरी अनुपालनों को समाप्त कर एमएसएमई, खुदरा व्यापारियों और स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है।परंतु, इस आर्थिक विजय यात्रा के बीच एक चिंताजनक और कड़वी सच्चाई की अनदेखी नहीं की जा सकती। जब पूरा विश्व भारत के आर्थिक लचीलेपन की सराहना कर रहा है, तब देश का कुछ हताश विपक्ष बाहरी शक्तियों के साथ मिलकर भारत के आंतरिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति को पटरी से उतारने की साजिशों में लिप्त दिखाई देता है। विदेशी मंचों और संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों से परोक्ष वित्तीय व वैचारिक सहायता प्राप्त कर देश में सामाजिक विभाजन पैदा करने, निवेशकों के विश्वास को डिगाने और सरकार के विकासवादी कदमों पर भ्रम फैलाने के सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था को बदनाम करने वाले यह टूलकिट सिंडिकेट भूल जाते हैं कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और उनका विश्वास प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। देश विरोधी मंसूबे कभी भी भारत की विकास यात्रा को नहीं रोक सकते।

भारत की मजबूत घरेलू मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग और पारदर्शी नीतियां देश को हर वैश्विक झटके को सहने में सक्षम बना रही हैं। भारत केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करने वाली महाशक्ति बन चुका है। हमारे व्यापारी, छोटे उद्यमी और कर्मठ कामगार इस आर्थिक क्रांति के असली ध्वजवाहक हैं। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दिया है, यह आर्थिक गति उसी की मजबूत बुनियाद है। चुनौतियों से घिरी दुनिया में भारत एक स्थिर, सुरक्षित और प्रगतिशील प्रकाश स्तंभ बनकर दुनिया को रास्ता दिखा रहा है।



मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में आप सफल हो सकते हैं। आज आप अपने साथियों और आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे। आज किसी काम में भाई-बहन का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि : वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज नौकरी में आपकी इंक्रीमेंट होने के चांस हैं। आज किसी जरूरी काम में परिवार का साथ मिलेगा। आज आपको अच्छी खबर मिल सकती है। आज आप रोजगार के मामले में किसी से सलाह ले सकते हैं, जो कि आपके लिए फायदेमन्द रहेगी। आज किसी व्यक्ति से बड़े प्रोजेक्ट के बारे में बात हो सकती है। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन सामान्य से काफी अच्छा रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की उम्मीद है। आज कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

कर्क राशि : कर्क राशि वालों आज आप दोस्तों और परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रह सकते हैं। आज ऑफिस में आपको पुराना काम निपटाने की जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आज आप नई बिजनेस डील साइन कर सकते हैं, जिससे आपको काफी फायदा हो सकता है। आज अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज कामकाज निपटाने के लिए नए तरीके मिल सकते हैं। आज दोस्तों के साथ संबंधों में सुधार आ सकता है। आज भौतिक सुख-सुविधाओं की तरफ रुझान बढ़ सकता है। आज आपकी सेहत पहले से अच्छी रहेगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। इस राशि के जो लोग बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, आज उनके लिए समय अच्छा है। शुभ मुहूर्त देखकर काम शुरू करें, सफलता जरूर मिलेगी। आज आप समझदारी से कई काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आज कला के क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऑफिस में आज अपने काम की प्रशंसा के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ के मौके मिल सकते हैं। आज शाम को दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज किसी काम में पिता का साथ मिल सकता है। आज जीवनसाथी के साथ संबंध बेहतर होंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। आज छात्रों के लिए भी दिन बेहतर रहेगा। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आएंगे। आज महिलाएं शॉपिंग करने जा सकती हैं। आज बिजनेस में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। आज घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्गों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपका ज्यादातर समय परिवार वालों के साथ बीतेगा, उनके साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान भी बना सकते हैं। आज दांपत्य रिश्ते मधुरता से भरपूर रहेंगे। आज कोई करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज शाम को घर में पार्टी का प्लान बना सकते हैं। कारोबारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा बेहतर हो सकती है, लेकिन धन के मामले में आपको सावधान रहने की भी जरूरत है। आज मित्र आपसे मिलने के लिए फोन कर सकता है। आज दूसरों पर जल्दी विश्वास न करें।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के लोग अपनी लाइफ में कुछ बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे भविष्य में सफलता आपके कदम चूमेगी। अगर आज आप इंटरव्यू देने के लिए जा रहे हैं, तो सफलता मिलने के पूरे चांस हैं।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति मिल सकती है। आज किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स अगर किसी नए कोर्स में एडमिशन लेना चाह रहे हैं, तो आज का दिन शुभ है।

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण भारत के उद्योगों को नेट ज़ीरो भविष्य की ओर अग्रसर करना

भारत को वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने में कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस तकनीक के माध्यम से औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में पहुंचने से पहले ही एकत्र किया जाता है। इसके बाद इसका उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जा सकता है या इसे जमीन के भीतर सुरक्षित रूप से भंडारित किया जा सकता है। इससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार इस क्षेत्र में ऐसा तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योगों को एक साथ लाया जा रहा है। देश के कई राज्यों में इस तकनीक से जुड़ी परियोजनाएं संचालित हैं, जबकि कुछ निर्माणाधीन और प्रस्तावित चरण में हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्वदेशी कार्बन संग्रहण तकनीक, कार्बन के उपयोग और सुरक्षित भंडारण की क्षमता विकसित करना है।

कठिन उद्योगों के उत्सर्जन में कमी का प्रभावी माध्यम

भारत की वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की यात्रा के लिए ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन घटाना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा से उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है, लेकिन कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में अत्यधिक तापमान अथवा कार्बन आधारित कच्चे माल की आवश्यकता होती है। ऐसे उद्योगों का पूरी तरह विद्युतीकरण करना आसान नहीं है। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण तकनीक इन क्षेत्रों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराती है।

नीति आयोग ने इस्पात, सीमेंट, तेल एवं गैस, पेट्रोरसायन, रसायन और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन कम करने के लिए इस तकनीक को महत्वपूर्ण माना है। ये उद्योग औद्योगिक उत्सर्जन में बड़ा योगदान देते हैं और इनके उत्सर्जन को व्यापक स्तर पर कम करना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। सीसीयूएस तकनीक मौजूदा संयंत्रों से उत्सर्जन घटाने के साथ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन जारी रखने में भी मदद कर सकती है। इससे नई तकनीकों, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षमताओं के विकास के अवसर भी पैदा होंगे।

कार्बन संग्रहण से सुरक्षित भंडारण तक की प्रक्रिया

कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण की प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में पूरी होती है।

पहले चरण में औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली गैसों से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया जाता है। इसके लिए विशेष संग्रहण प्रणालियों का उपयोग होता है। एकत्र की गई गैस को शुद्ध और सुखाने के बाद दबाव के साथ सघन रूप में तैयार किया जाता है, ताकि इसे आगे परिवहन या उपयोग के लिए भेजा जा सके।

दूसरे चरण में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड को उपयुक्त स्थान तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए सामान्यत: पाइपलाइन का उपयोग किया जाता है। लंबी दूरी तक परिवहन के लिए जहाज और अन्य साधन भी उपयोगी हो सकते हैं। परिवहन का माध्यम दूरी, मात्रा, उपलब्ध बुनियादी ढांचे और गंतव्य के आधार पर तय किया जाता है।

तीसरे चरण में एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जाता है अथवा इसे जमीन के भीतर स्थायी रूप से भंडारित किया जाता है। इसका उपयोग खाद्य एवं पेय पदार्थ, यूरिया, हरित मेथनॉल, कंक्रीट और उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति जैसी प्रक्रियाओं में किया जा सकता है। स्थायी भंडारण के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को जमीन के काफी नीचे स्थित उपयुक्त भूगर्भीय संरचनाओं में पहुंचाया जाता है। इनमें समाप्त हो चुके तेल एवं गैस भंडार, गहरे खारे जल वाले भूस्तर और बेसाल्ट चट्टानों की संरचनाएं शामिल हैं।

क्षेत्रीय केंद्रों और साझा ढांचे पर जोर

भारत में सीसीयूएस के विकास के लिए क्षेत्रीय केंद्रों और औद्योगिक समूहों की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। इसके तहत कई औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्र कर साझा पाइपलाइन और परिवहन नेटवर्क के माध्यम से उपयोग अथवा भंडारण स्थलों तक पहुंचाया जा सकता है।

नीति आयोग ने भारत के लिए इस केंद्र आधारित व्यवस्था को उपयुक्त माना है। इससे बड़े स्तर पर लागत कम करने, बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिम घटाने और कार्बन डाइऑक्साइड की उपलब्धता को संभावित मांग से जोड़ने में मदद मिल सकती है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वर्ष 2025 के सीसीयूएस कार्ययोजना दस्तावेज में ऐसे औद्योगिक और भूगर्भीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां इस प्रकार के केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। इनमें रिफाइनरी और रासायनिक उद्योगों की अधिकता वाला गुजरात का तटीय क्षेत्र, इस्पात और सीमेंट उद्योगों वाला ओडिशा-झारखंड क्षेत्र तथा तेल एवं गैस संसाधनों से जुड़ा पूर्वोत्तर भारत शामिल है।

इस्पात, सीमेंट और ताप विद्युत क्षेत्र को मिलेगा लाभ

इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान सीधे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है। केवल नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाली बिजली अपनाने से इन उत्सर्जनों को पूरी तरह समाप्त करना कठिन हो सकता है। उपलब्ध अनुमान के अनुसार, इन कठिन उद्योगों और ताप विद्युत उत्पादन से होने वाला उत्सर्जन वर्ष 2030 तक लगभग 2,300 मिलियन टन प्रतिवर्ष पहुंच सकता है। ऐसे में कार्बन संग्रहण और उसका सुरक्षित उपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है।अगस्त 2026 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता में जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी 45.12 प्रतिशत थी। स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव के दौरान मौजूदा ऊर्जा और औद्योगिक ढांचे का उपयोग जारी रहने की संभावना है। इसलिए ताप विद्युत संयंत्रों और उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करना भी जरूरी होगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 03 नवम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5



दिवाली से पहले दिल्ली में घुटने लगा दम, हवा बनी जानलेवा; कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले वायु प्रदूषण ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शहर की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है और लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल होने लगा है। सोमवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 350 के पार पहुंच गया। समीर ऐप के अनुसार, जहांगीरपुरी में सबसे अधिक 420 एक्यूआई दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, पंजाबी बाग और रोहिणी में भी एक्यूआई 399 तक पहुंच गया। सुबह के आंकड़ों के मुताबिक, सुनीता विहार में एक्यूआई 370, सिरीफोर्ट में 354, तालकटोरा गार्डन में 322, उत्तम नगर में 310, विवेक विहार में 376, वजीरपुर में 322, ओखला फेज-2 में 350, पटपड़गंज में 357, पंजाबी बाग में 399, पूसा में 340, आरके पुरम में 370, रोहिणी में 399, मुद्रिका में 377, नजफगढ़ में 313, नांगलोई में 319 और नरेला में 375 दर्ज किया गया। इसके अलावा मंदिर मार्ग पर 340, नॉर्थ कैंपस (डीयू) में 359, आईआईटी दिल्ली में 337 और जहांगीरपुरी में 420 एक्यूआई रहा।इसी तरह आईटीओ में 351, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 349, जेएनयू में 319, चांदनी चौक में 361, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 332, मथुरा रोड पर 334, द्वारका सेक्टर-8 में 357, अलीपुर में 382, अशोक विहार में 327, बवाना में 365 और बुराड़ी क्रॉसिंग पर 354 एक्यूआई दर्ज किया गया। हालांकि, आईजीआई एयरपोर्ट पर यह आंकड़ा 294, लोधी रोड पर 251 और नेहरू नगर में 289 रहा। गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए एक नवंबर से नए प्रतिबंध लागू किए गए हैं, लेकिन इन पाबंदियों के पहले ही दिन यानी रविवार को हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। इससे पहले दिल्ली में बारिश के कारण दो दिनों तक प्रदूषण से कुछ राहत



मिली थी, लेकिन रविवार को स्थिति फिर बिगड़ गई। यह दिन न केवल मौजूदा सीजन का, बल्कि 12 जुलाई के बाद से सबसे अधिक प्रदूषित दिन दर्ज किया गया।

एक्यूआई की श्रेणियों में समझें हवा की स्थिति

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मानकों के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक को छह श्रेणियों में बांटा गया है। 0 से 50 तक एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी में माना जाता है। इस लिहाज से दिल्ली के कई इलाकों में हवा बहुत खराब स्थिति में पहुंच चुकी है, जबकि जहांगीरपुरी में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया।

नागर विमानन क्षेत्र के लिए नए नियम लागू करेगा केंद्र, 2027 से प्रभावी होंगे भारतीय वायुयान नियम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने देश के नागर विमानन क्षेत्र के लिए एक नया और व्यापक नियामकीय ढांचा अधिसूचित किया है। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, भारतीय वायुयान नियम, 2026 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे और लगभग नौ दशकों से लागू विमान नियम, 1937 का स्थान लेंगे। नए नियम विमानन क्षेत्र के लगभग सभी प्रमुख पहलुओं को कवर करते हैं, जिनमें विमान पंजीकरण, एयरवर्थनेस सर्टिफिकेशन, विमान निर्माण, रखरखाव, उड़ान संचालन, कर्मियों के लाइसेंस और हवाईअड्डा संचालन से जुड़े विस्तृत प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही विमान मालिकों, ऑपरेटरों, एयरलाइंस और अन्य विमानन हितधारकों की जिम्मेदारियां भी स्पष्ट रूप से तय की गई हैं। नए ढांचे के तहत विमानों के पंजीकरण और एयरवर्थनेस प्रमाणन से संबंधित नियमों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। इसमें यह सुनिश्चित करने के मानदंड शामिल हैं कि कोई विमान संचालन के लिए सुरक्षित और उपयुक्त है या नहीं। नियम विमान डिजाइन, निर्माण मानकों, संशोधनों और मरम्मत से संबंधित स्वीकृतियों को भी कवर करते हैं।सरकार ने विमानों के पूरे परिचालन जीवनकाल के दौरान नियमित निरीक्षण और रखरखाव को अनिवार्य बनाया है। एयरलाइंस और विमान संचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि विमान लगातार सुरक्षा मानकों का पालन करते रहें और उनकी एयरवर्थनेस बनी रहे। नए नियमों में पायलटों, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों सहित विमानन क्षेत्र के विभिन्न पेशेवरों के लिए योग्यता और लाइसेंसिंग मानकों को भी विस्तार से निर्धारित किया गया है।

होशियारपुर में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा के घर ईडी की दबिश, सुबह 5 बजे पहुंची टीम

होशियारपुर ,(आरएनएस)। पंजाब के होशियारपुर में सोमवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता सुंदर शाम अरोड़ा के आवास पर छापेमारी की। सुबह करीब पांच बजे तीन गाड़ियों में पहुंचे ईडी के अधिकारी जोधा मल रोड स्थित उनके आवास में दाखिल हुए। कार्रवाई की सूचना फैलते ही इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने सुबह-सुबह अरोड़ा के घर पहुंचकर जांच शुरू की। इस दौरान आवास के आसपास सुरक्षा जवानों की तैनाती कर दी गई और पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के समय सुंदर शाम अरोड़ा भी अपने आवास पर मौजूद थे।फिलहाल ईडी की इस कार्रवाई के पीछे किस मामले की जांच की जा रही है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से भी छापेमारी के उद्देश्य या जांच से जुड़े किसी मामले को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ईडी की टीम की कार्रवाई जारी रहने के बीच इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, जांच के कारणों और कार्रवाई के मकसद की पुष्टि आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही हो सकेगी।

हमीरपुर में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, दोनों पैरों में लगी गोली

हमीरपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी हीरालाल पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने घटनास्थल पर छिपाकर रखे गए अवैध देसी तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दोनों पैरों में लगी। घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, एक नवंबर को मुस्करा थाना क्षेत्र के एक कस्बे में तीन साल की बच्ची का शव बरामद हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बच्ची के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी हीरालाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी और घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गईं।

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : सीएम योगी

गोरखपुर,(आरएनएस)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत प्रस्तुत करने पर सीएम योगी की कड़ी नाराजगी जताई। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया।

सीएम योगी ने समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे।

उमर अब्दुल्ला और निधि राजदान की शादी पर मौलना रजवी ने जारी किया फतवा, बताया 'गैर-इस्लामी और नाजायज'



श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वरिष्ठ पत्रकार निधि राजदान के विवाह को लेकर धार्मिक गलियारों में विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इस शादी के खिलाफ फतवा जारी करते हुए इसे इस्लामी शरीयत की कसौटी पर पूरी तरह गैर-कानूनी और नाजायज करार दिया है। मौलाना के इस कड़े रुख और फतवे के सामने आने के बाद राजनीतिक व सामाजिक स्तर पर नई बहस छिड़ गई है।'शरीयत के नियमों का नहीं हुआ पालन', शादी से पहले धर्म परिवर्तन की दी दलीलमौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने रविवार को अपने बयान में कहा कि इस्लाम में निकाह को लेकर बेहद स्पष्ट और निर्धारित कायदे-कानून बनाए गए हैं। शरीयत के अनुसार एक मुस्लिम पुरुष और गैर-मुस्लिम महिला के विवाह को लेकर सख्त प्रावधान तय हैं। उन्होंने तर्क दिया कि चूंकि उमर अब्दुल्ला मुस्लिम हैं और निधि राजदान गैर-मुस्लिम हैं, इसलिए इस्लामी नजरिए से यह निकाह मान्य नहीं ठहरता। मौलाना ने कहा कि यदि विवाह से पहले निधि राजदान का धर्म परिवर्तन कराकर उन्हें इस्लाम कबूल कराया जाता और उसके बाद निकाह होता, तभी यह रिश्ता इस्लामी नियमों के तहत जायज माना जा सकता था। धार्मिक नियमों की अनदेखी के चलते इस निकाह को शरीयत से खारिज किया जाता है।

सोच लो! भारी पड़ेगा', मीडिया पर भड़के अमिताभ बच्चन, शब्दों को गलत संदर्भ में पेश करने का आरोप लगाया

मुंबई, (आरएनएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा एक्स पोस्ट में मीडिया में छपी खबर को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए दूसरे संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, 'सदी के महानायक' ने इसके लिए मीडिया को चेतावनी भी दी है।

दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक पोस्ट और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर पेश किया है।

अमिताभ ने अपने पोस्ट में मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह कृष्ण कन्हैया के लिए, प्रार्थना स्वरूप, अक्सर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की का उच्चारण करते हैं और मीडिया ने इसे ही गलत तरीके से पेश किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के लिए एक प्रार्थना थी



और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा था, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है। उन्होंने इसे धर्म का निरादर भी बताया।

अमिताभ ने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, 'देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, 'ले आओ हाथी घोड़ा' हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं !' एक तो घोर निंदा एक 'जय श्री कृष्ण' के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके 5 करोड़ फॉलोअर्स हैं और अगर इशारा मिल जाए तो उनमें से 10 प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे।मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी पब्लिक फिगर से गलती होती है, तो वे माफी मांग लेते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।उन्होंने तीखी आलोचना करते हुए लिखा, हमसे कोई गलती हो जाए ङ्क गलतियां हो जाती हैं, तो हम तुरंत क्षमा मांगते हैं, और सुधार करने का प्रयत्न करते हैं, पर यहां लगता है उनका (मीडिया) ये जन्म साइ धिकार (जन्मसिद्ध अधिकार) है।इस पोस्ट से पहले अमिताभ ने इसी संदर्भ में एक और पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, (हम) लिखते हैं प्रार्थना और मीडिया उसके शब्दों का दुरुपयोग करके निरादर करता है ! इतनी लाचारी अब मीडिया हमारे हाथ में भी है। सोच लो! भारी पड़ेगा।



ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

आज़म ख़ान की गिरफ़्तारी पर वकील नासिर सुल्तान का आरोप- बोले-बिना आधार बताए जेल के गेट से उठाया

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आज़म ख़ान की रामपुर जिला जेल से रिहाई के तुरंत बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई गिरफ़्तारी को उनके वकील नासिर सुल्तान ने पूरी तरह गैर-कानूनी और सरकार का तानाशाहीपूर्ण रवैया करार दिया है। शनिवार रात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कानूनी इतिहास में इस तरह की कार्रवाई पहले कभी देखने को नहीं मिली, जहाँ रिहाई मिलते ही बिना कोई कारण या आधार बताए किसी को हिरासत में ले लिया जाए। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट से दो पैन कार्ड से जुड़े मामले में राहत मिलने के बाद आज़म ख़ान रामपुर जेल से बाहर आए थे, लेकिन जेल गेट पर ही पहले से मौजूद ईडी की टीम ने उन्हें जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोबारा गिरफ़्तार कर लिया। हिरासत का आधार स्पष्ट नहीं- जिस तरह से मोहम्मद आज़म ख़ान को जेल से निकलते ही उठाया गया, अधिकारियों ने उसका कोई ठोस कानूनी आधार नहीं बताया। उन्हें कहाँ ले जाया जा रहा है और कौन सी टीम लेकर जा रही है, इस बारे में भी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। कानून व्यवस्था पर सवाल- उन्होंने कहा कि तीन दिनों की भारी कानूनी जद्दोजहद और अदालती प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी रिहाई संभव हो सकी थी, लेकिन जेल की दहलीज पार करते ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस तरह का आचरण कानूनी व्यवस्था के बजाय मनमानी को दर्शाता है। वकील नासिर सुल्तान ने इस पूरी कार्रवाई के पीछे राजनीतिक मंशा होने का आरोप लगाया चुनावी नुकसान का खौफ- उन्होंने सवाल उठाया कि आख़िर आज़म ख़ान से किसे ख़तरा है? उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव करीब आ रहा है

अनंता रिसॉर्ट्स विला खरीद प्रकरण : मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसीबी जांच शुरू, विपक्ष ने की सीबीआई-ईडी जांच की मांग, कानूनी पहलुओं पर भी नजर

जयपुर ,(आरएनएस)। राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशाखा माथुर द्वारा अनंता रिसॉर्ट्स में विला खरीदने के मामले ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में तूल पकड़ लिया है। इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और तथ्यों की निष्पक्ष पड़ताल के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को जांच सौंप दी गई है। इससे पहले सरकार ने मामले के सार्वजनिक होने पर शिखर अग्रवाल को एपीओ (पदस्थापन की प्रतीक्षा) कर दिया था। संजय गोयल का बयान और बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट का संदर्भ मामले में अनंता रिसॉर्ट्स संचालित करने वाली गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) संजय गोयल के बयानों के बाद प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं-

गोयल का पक्ष : संजय गोयल ने स्पष्ट किया कि 14 फरवरी 2026 को आयोजित बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की बैठक में किसी एक अधिकारी का व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि उस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे, जहां नियमों के तहत सामूहिक अनुमोदन दिए गए।

जांच में सहयोग और नार्को टेस्ट की पेशकश - विवाद के बीच संजय गोयल ने अपनी ओर से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए नार्को टेस्ट तक करवाने की तत्परता दिखाई है, ताकि रिसॉर्ट्स और प्रशासनिक स्वीकृतियों से जुड़े सभी तथ्य सार्वजनिक हो सकें।

संपत्ति का आधिकारिक ब्योरा और विधिक पहलू

शिखर अग्रवाल के पक्ष और प्रशासनिक दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे मामले में कानूनी व वित्तीय स्थिति का ब्योरा पहले से ही दर्ज बताया जा रहा है : पारदर्शिता का दावा : सूत्रों के अनुसार, परिवार व रिश्तेदारों के नाम खरीदे गए इन विला की पूरी जानकारी आयकर विभाग (आईटीआर) और सेवा अभिलेखों (सर्विस रिकॉर्ड्स व प्रॉपर्टी रिटर्न्स) में विधिवत दी गई है।

विधिक स्थिति : ऐसे में यह जांच का विषय है कि क्या नियमों का कोई प्रत्यक्ष उल्लंघन हुआ है या फिर यह सामान्य और वैध वित्तीय लेन-देन का मामला है। एसीबी इसी वित्तीय प्रवाह और विला आवंटन से जुड़ी प्रक्रियाओं की आधिकारिक जांच कर रही है।

राजनीतिक बयानबाजी : निष्पक्षता और केंद्रीय एजेंसियों की मांगइस प्रकरण को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है :

विपक्ष की मांग : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि अंतर्राज्यीय संपत्तियों और बड़े निवेश से जुड़े मामलों की व्यापक जांच केंद्रीय एजेंसियों के स्तर पर ही संभव है।

प्यार' की जिद में भांजी पर चलाई आरी, क्लासरूम में दरिंदगी करने वाला निकला रिश्ते में मामा



अमरावती ,(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सरकारी स्कूल के क्लासरूम में घुसकर 10वीं की नाबालिग छात्रा पर इलेक्ट्रिक कटर आरी से जानलेवा हमला कर दिया गया। पुलिस जांच में आरोपी को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वारदात को अंजाम देने वाला युवक रिश्ते में पीड़िता का मामा लगता है, जो तथाकथित एकतरफा 'प्यार' का ढोंग रचकर लंबे समय से छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। आरोपी ने छात्रा के गले, चेहरे और पीठ पर आरी से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ी। छात्रा को बेहद गंभीर हालत में बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी की जंग लड़ रही है।यह खौफनाक वारदात अनंतपुर के रपटाडू स्थित जिला परिषद (जेडपी) हाई स्कूल में शनिवार सुबह करीब 10 :30 बजे घटी। उस समय 15 वर्षीय पीड़िता कक्षा में अन्य सहपाठियों के साथ मौजूद थी और शिक्षक क्लास ले रहे थे। इसी दौरान श्री सत्य साईं जिले के नागालुरु निवासी आरोपी हेमंत उर्फ डुम्मू अचानक हाथ में चालू इलेक्ट्रिक आरी लेकर क्लास में दाखिल हुआ। जब तक शिक्षक या छात्र कुछ समझ पाते, आरोपी ने पीड़िता पर झपटते हुए उसके गले और पीठ पर आरी से हमला बोल दिया। पास बैठी एक अन्य छात्रा ने बहादुरी दिखाते हुए जब आरोपी को रोकने का प्रयास किया, तो वह भी इस हमले में घायल हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेजी से स्कूल परिसर से बाहर भाग निकला।

पुलिस और पीड़िता के परिजनों के अनुसार, आरोपी हेमंत अनंतपुर में अपनी बड़ी बहन के घर पर ही रह रहा था और रिश्ते में नाबालिग का मामा लगता था। परिवार का आरोप है कि वह पिछले काफी समय से छात्रा का पीछा कर रहा था और एकतरफा प्रेम का दावा कर उसे परेशान कर रहा था। हमले के तुरंत बाद स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ छात्रा को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसकी अत्यंत नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए फौरन बेंगलुरु के एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए आरोपी हेमंत को गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

इस वीभत्स घटना पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुख और कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बयान जारी करते हुए कहा कि स्कूल के सुरक्षित माहौल में बच्चियों पर इस तरह का बर्बर हमला करने वाले अपराधियों के लिए सभ्य समाज में कोई जगह नहीं है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वह स्वयं छात्रा के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं और अस्पताल प्रबंधन को पीड़िता को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर हर संभव उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं।

आम आदमी पार्टी से निलंबित तीन विधायकों ने थामा भाजपा का दामन

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के निलंबित तीन विधायकों ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन कर ली। विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा ने भाजपा का दामन थामा। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा, भाजपा का काफिला दिनों-दिन बढ़ रहा है। बड़ी खुशी हो रही है कि कुंवर विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल की गहराई से उनका धन्यवाद। आम आदमी पार्टी डूबती नाव है। आम आदमी पार्टी ने अपने दो विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौड़ामाजरा को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था। अब आम आदमी पार्टी विधानसभा स्पीकर से उनकी सदस्यता भी रद्द करने की मांग करेगी। दोनों विधायकों ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।बीते दिन पंजाब के पटियाला जिले की दो विधानसभा सीटों से आम आदमी पार्टी के विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका के फ्लोरिडा में बड़ा विमान हादसा, 9 लोगों की मौत, सड़क पर गिरते ही आग का गोला बना बिजनेस जेट



फ्लोरिडा (आरएनएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में रविवार को एक निजी व्यावसायिक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार पायलट समेत सभी नौ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त विमान ऑस्टिन, टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसा पाम बीच काउंटी के क्रेस्टहेवन इलाके के पास हुआ। दुर्घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विमान तेजी से जमीन की ओर गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। जमीन से टकराते ही विमान आग के बड़े गोले में तब्दील हो गया।

अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान लियरजेट 60 था। विमान में पायलट सहित नौ लोग सवार थे। प्रारंभिक उड़ान आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले विमान तेजी से ऊंचाई खो रहा था। उड़ान संबंधी आंकड़ों के अनुसार, विमान कई सौ फीट प्रति सेकंड की रफ्तार से नीचे आ रहा था।संघीय विमानन प्रशासन ने पुष्टि की है कि विमान ने टेक्सास के ऑस्टिन से उड़ान भरी थी और उसका निर्धारित गंतव्य बहामास था। विमान की पहचान उसके पंजीकरण क्रमांक एन722बीडी से की गई है। हालांकि, विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। संबंधित एजेंसियां हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही हैं।

विमान जिस स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वहां से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रसिद्ध रिसॉर्ट मार-ए-लागो करीब 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हादसे के बाद पाम बीच काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने घटनास्थल के आसपास दोनों दिशाओं की सड़कें बंद कर दीं। साथ ही वाहन चालकों से प्रभावित क्षेत्र से दूर रहने की अपील की गई।

दुर्घटना के बाद घटनास्थल के नजदीक स्थित एक आवासीय ट्रेलर बस्ती के करीब 600 लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया। हादसे के कारण इलाके में पानी और बिजली की आपूर्ति भी बाधित हो गई। इसके अलावा आसपास के कुछ मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने बताया कि विमान में सवार लोगों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रशासन की ओर से मृतकों की पहचान और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की प्रक्रिया जारी है।

नेपाल में भारी बर्फबारी के बीच फंसे छह भारतीय पर्यटक हेलीकॉप्टर से सुरक्षित निकाले गए

-प्रसिद्ध शे-फोकसुंडो झील की यात्रा पर निकले थे पर्यटक, नुमला और बागला दर्रे के बीच फंसे

काठमांडू,(आरएनएस)। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित बचा लिया गया। सभी पर्यटक नेपाल की प्रसिद्ध शे-फोकसुंडो झील की यात्रा पर निकले थे। इसी दौरान भारी बर्फबारी के कारण उनका रास्ता बंद हो गया और वे दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में फंस गए। जिला प्रशासन ने सभी छह पर्यटकों के सुरक्षित निकाले जाने की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार, सभी की हालत सामान्य है।डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनू हमाल ने बताया कि पर्यटकों को निकालने के लिए बचाव अभियान दो चरणों में पूरा किया गया। पहले दो महिलाओं को हेलीकॉप्टर की मदद से जिला मुख्यालय पहुंचाया गया। इसके बाद शेष चार पर्यटकों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी छह पर्यटक सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की गंभीर परेशानी नहीं हुई है।जानकारी के अनुसार, सभी पर्यटक डोल्पो बुद्ध ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड संख्या 4 और 8 से शे-फोकसुंडो झील की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वे नुमला दर्रे और बागला दर्रे के बीच के दुर्गम इलाके में फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों ने इस





क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति भी नहीं ली थी। स्थानीय लोगों ने खराब मौसम को देखते हुए उन्हें यात्रा नहीं करने की सलाह दी थी, लेकिन इसके बावजूद वे आगे बढ़ गए।बताया गया है कि चक्रवात अर्नब के प्रभाव से इस क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई थी। इससे पहाड़ी रास्तों पर आवागमन मुश्किल हो गया और पर्यटकों की परेशानी बढ़ गई। जिला प्रशासन ने पहले ही मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए लोगों से जोखिम वाले क्षेत्रों में जाने से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी।

छह भारतीय पर्यटकों को बचाने के लिए रविवार को ही अभियान शुरू किया जाना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसमें देरी हुई। शुरुआत में नेपाली सेना के हेलीकॉप्टर से बचाव की कोशिश की गई, लेकिन उड़ान भरने के दौरान तकनीकी परेशानी आने के कारण अभियान रोकना पड़ा।

इसके बाद सिमरिक एयर के हेलीकॉप्टर की मदद से बचाव अभियान चलाने का प्रयास किया गया। हालांकि, शाम करीब 4:30 बजे तकनीकी खराबी के चलते इस प्रयास को भी रोकना पड़ा। आखिरकार सोमवार सुबह करीब छह बजे अभियान दोबारा शुरू किया गया और सभी छह पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया।प्रशासन की ओर से बचाए गए भारतीय पर्यटकों की पहचान मौमिता हलधर, पियाली कोले, जजला त्रिवेदी कुमार, आदित्य सिंघा, डिप्लिना बिस्वास और राजेश डे के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। नेपाल के करनाली प्रांत के डोल्पा जिले में स्थित शे-फोकसुंडो झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता और गहरे फिरोजी रंग के पानी के लिए प्रसिद्ध है। चारों ओर ऊंचे पहाड़ों से घिरी यह झील नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में यहां देशी और विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है।

जिला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, अपर डोल्पा क्षेत्र में कुल 244 पर्यटक पहुंचे हैं।

रूस-यूक्रेन पर बड़ा साइबर हमला, इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम हुआ हैक, लोगों को भेजी गई फर्जी चेतावनियां

मॉस्को/कीव,(आरएनएस)। रूस और यूक्रेन के आपातकालीन चेतावनी ऐप साइबर हमलों का निशाना बने हैं। दोनों देशों के लोगों को इन ऐप के जरिए ऐसी सूचनाएं मिलीं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं था। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने सोमवार सुबह टेलीग्राम पर अपने ऐप पर बड़े साइबर हमले की जानकारी दी। यूक्रेन ने भी बताया कि उसके हवाई हमले से जुड़े अलर्ट ऐप को निशाना बनाया गया है। हालांकि, दोनों घटनाओं के पीछे कौन है, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। रूस में जिस ऐप पर हमला हुआ, उसका इस्तेमाल लोगों को ड्रोन हमलों के खतरे से आगाह करने के लिए किया जाता है।रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसमें गलत सूचनाएं दिखाई देने लगी थीं। यूक्रेन में भी कीव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को मोबाइल पर फर्जी चेतावनियां मिलीं। इन मैसेजेस में परमाणु और रासायनिक हमले के खतरे के साथ सड़कों पर गोलीबारी होने जैसी बातें कही गई थीं। यूक्रेन के अलर्ट ऐप पर आए एक मैसेज में कहा गया कि रूस ने ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल तैनात कर दी है। यूक्रेन की वायुसेना ने इस दावे को गलत बताया और कहा कि इलाके में विकिरण का कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी कि वे अनजान मैसेज से घबराने के बजाय सरकारी माध्यमों से जारी जानकारी पर भरोसा करें। यूक्रेन के रणनीतिक संचार केंद्र स्प्रावडी ने इस हमले के लिए रूस पर आरोप लगाया है।

ट्रंप पर दबाव बना रहे नेतन्याहू, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर हमले की इच्छा

यरुशलम,(आरएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का दबाव बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि नेतन्याहू चाहते हैं कि अमेरिका मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर हमला करे। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप फिलहाल सैन्य कार्रवाई के पक्ष में नहीं हैं और ईरान के साथ बातचीत जारी रखना चाहते हैं। इस मुद्दे पर शनिवार को दोनों नेताओं के बीच विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें उनके विचारों में मतभेद सामने आए। एक रिपोर्ट में इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इजरायली सूत्र ने दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को काफी जटिल बताया, जबकि अमेरिकी सूत्र ने इसे सीधी बातचीत करार दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने ट्रंप के सामने ईरान पर हमले का मुद्दा उठाते हुए सैन्य कार्रवाई के लिए दबाव बनाया, लेकिन ट्रंप ने फिलहाल इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

मनोरंजन

केदारनाथ दर्शन विवाद में सारा अली खान के समर्थन में उतरीं सोनिया बंसल



अभिनेत्री सारा अली खान के केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर उठे विवाद के बीच 'बिग बॉस 17' से चर्चा में आईं अभिनेत्री सोनिया बंसल उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोनिया ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक आस्था उसका निजी मामला है। हर इंसान को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल पर जाकर प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म के आधार पर किसी को परखने के बजाय प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व देने की अपील की।

सोनिया ने कहा कि सारा अली खान एक अच्छी अभिनेत्री हैं और हमेशा अपने दिल की सुनती हैं। वह कई बार केदारनाथ जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सारा फिल्म 'केदारनाथ' का हिस्सा रही हैं, जिसमें मंदिर की पृष्ठभूमि में आस्था, प्रेम और इंसानियत की कहानी दिखाई गई थी। सोनिया के मुताबिक, आशीर्वाद लेने जैसी निजी बात को विवाद का विषय बनाना समझ से परे है। सारा भी अन्य लोगों की तरह प्रार्थना और मानसिक शांति की इच्छा रखती हैं।

सोनिया ने कहा कि समाज में लोग बहुत जल्दी हर बात को धर्म से जोड़ देते हैं। यह सोचने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। उन्हें लोगों से प्रेम करना, उन्हें अपनाना और उनका सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए, न कि सबसे पहले उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अंतर करना। उन्होंने कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन हम अब भी हिंदू और मुस्लिम पहचान को लेकर बहस में उलझे हुए हैं। समाज को इस सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है।

कंगना रनौत पर राणा दग्गुबाती का अगला दांव, स्केरी पिक्चर का किया ऐलान

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत और दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता एवं फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती एक नई फिल्म के लिए साथ आए हैं। राणा दग्गुबाती बतौर निर्माता भूतिया फिल्म 'स्केरी पिक्चर' बना रहे हैं, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन तेलुगु सिनेमा के अभिनेता और फिल्म निर्माता रवि बाबू करेंगे। यह उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म होगी।

फिल्म की घोषणा हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 'हॉररकॉन इंडिया 2026' के दौरान की गई। कार्यक्रम में राणा दग्गुबाती ने बताया कि यह एक भूतिया फिल्म है, जिसे उनके मित्र रवि बाबू निर्देशित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रवि बाबू तेलुगु भाषा में कई भूतिया फिल्मों का निर्माण और निर्देशन कर चुके हैं।

अचानक से बदलने लगा मौसम का मिजाज? इन 5 तरीकों से खुद को रखें स्वस्थ

मौसम कभी भी अपना मिजाज बदल सकता है, खासकर अक्टूबर के महीने में, जब बारिश हो रही है और गर्मी-सर्दी पड़ रही है। इस दौरान अचानक से बारिश और ठंड बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में खुद को इन बदलावों के लिए तैयार रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको इसके लिए 5 आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।



सही कपड़े पहनें

अचानक से हो रही बारिश और ठंड से बचने के लिए सही कपड़े पहनना सबसे जरूरी है। हल्के और पानी से बचाने वाले कपड़े चुनें, जैसे कि बरसाती या जैकेट।इसके अलावा ऊनी शॉल या स्कार्फ भी पहन सकते हैं, जो आपको गर्म रखेगा। सूती कपड़े भी अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखते हैं।इसके साथ ही मोजे और टोपी भी पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

छाता साथ रखें

जब मौसम खराब हो तो घर से बाहर निकलते समय छाता या बारिश से बचाने वाला रेनकोट साथ रखें। इससे आप बारिश से बच सकेंगे और गीले होने से बचेंगे।अगर आप कहीं लंबी यात्रा कर रहे हैं तो बारिश से बचाने वाला बैग ज्यादा सुविधाजनक हो सकता है, क्योंकि इसे ले जाना आसान होता है और इसमें आपके सभी सामान भी सुरक्षित रह सकते हैं।

छाते आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान

बारिश के मौसम में ठंड अधिक रहती है, इसलिए खुद को गर्म रखने के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसके लिए पानी पीते रहें, विटामिन-ष्ट वाले फलों का सेवन करें और नियमित रूप से हाथ धोएं।

इसके अलावा ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें। अगर आप बीमार महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और खुद को आराम दें। ठंड से बचने के लिए गर्म पानी से नहाएं।

घर के अंदर रहें

अगर मौसम बिगड़ रहा हो और बाहर जाना जरूरी न हो तो घर पर रहना ही बेहतर है। इससे आप बारिश और ठंड से सुरक्षित रहेंगे।घर पर रहकर आप अपने काम भी आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर रहकर आप अपने परिवार संग समय बिता सकते हैं और उनके साथ सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।घर पर रहकर आप अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकते हैं और बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

मौसम की जांच करें

आधुनिक तकनीक की मदद से मौसम की जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है। अपने फोन पर मौसम की जानकारी देने वाले ऐप्स डाउनलोड करें या टीवी/रेडियो पर मौसम की खबरें सुनें।

इससे आपको पता रहेगा कि कब बारिश होनी है और कब नहीं, जिससे आप खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर सकेंगे। इस तरह आप इन 5 तरीकों से बदलते मौसम से निपट सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

ज्यादा खाने के बाद पाचन स्वास्थ्य को आराम देने के लिए अपनाएं ये सुझाव



कई लोग एक दिन में ज्यादा खाने के बाद असहज महसूस करते हैं और उनके पाचन पर भी असर पड़ता है। ज्यादा खाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और इससे बचाव के लिए खुद को नियंत्रित करना चाहिए। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे। आइए जानते हैं कि ज्यादा खाने के बाद पाचन को कैसे बहाल किया जा सकता है।

हल्का-फुल्का व्यायाम करें

ज्यादा खाने के बाद हल्का-फुल्का व्यायाम करना बेहतर होता है। इससे आपका पाचन तंत्र सक्रिय हो सकता है और अतिरिक्त कैलोरी जल सकती हैं।आप टहल सकते हैं या फिर कुछ हल्के खिंचाव वाले व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आपको आराम महसूस होगा।इसके अलावा हल्के व्यायाम से आपका मन भी अच्छा रहेगा और आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

पानी अधिक पिएं

ज्यादा खाने के बाद पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से आपके शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और पाचन प्रक्रिया को आराम मिलता है।आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देता है और पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा पानी पीने से आपको ऊर्जा मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।यह आपके शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है।

हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद अगले दिन हल्का भोजन करना बेहतर होता है। आप दही, खिचड़ी या सूप जैसी चीजें खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाती हैं और आपके शरीर को पोषण देती हैं।इससे आपका पाचन तंत्र भी आराम करेगा और आपको भारीपन महसूस नहीं होगा। हल्का भोजन खाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर को ऊर्जा मिलेगी।

इसके अलावा हल्का भोजन आपके शरीर को हानिकारक तत्वों से मुक्त करने में मदद करेगा।

आराम करें

ज्यादा खाने के बाद आराम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका शरीर फिर से ऊर्जा प्राप्त कर सकता है और मानसिक शांति भी मिलती है।आप सो सकते हैं या फिर कुछ देर के लिए चुपचाप बैठ सकते हैं और गहरी सांस ले सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। आराम करने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप फिर से सक्रिय होने के लिए प्रेरित होंगे।

38 दिन बाद बस्तर में फिर दौड़ी यात्री ट्रेनें, केके रेललाइन पर सेवा बहाल



जगदलपुर,(आरएनएस)। बस्तरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। केके रेललाइन पर 38 दिनों के लंबे इंतजार के बाद यात्री ट्रेन सेवाएं एक बार फिर बहाल कर दी गई हैं। लैंड स्लाइड की घटना के कारण रेल परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।दरअसल, केके रेललाइन पर भूस्खलन के बाद रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर तीन यात्री ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और दो ट्रेनों को रद्द कर दिया था। इसके चलते बस्तर का रेल संपर्क कई प्रमुख शहरों से प्रभावित हुआ था।रेल सेवा बहाल होने के साथ ही किरंदुल-विशाखापट्टनम पैसेंजर, जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस और जगदलपुर-हावड़ा समलेश्वरी एक्सप्रेस का परिचालन फिर से शुरू हो गया है। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। वहीं, रद्द की गई जगदलपुर-राउरकेला एक्सप्रेस और किरंदुल-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस को भी जल्द शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इन ट्रेनों के संचालन की बहाली से बस्तर के रेल यात्रियों को आवागमन में और सुविधा मिलने की उम्मीद है।

शासकीय कार्यों में लापरवाही पर नप गए पटवारी मिथलेश वर्मा, कलेक्टर श्री दुदावत ने किया निलंबित

कोरबा, (आरएनएस)। शासकीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पटवारी मिथलेश वर्मा, प.ह.नं. 40 भैरोताल, तहसील दर्री को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील अजगरबहार निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1673/भू.अ./पट.स्था./2026, दिनांक 1 अक्टूबर 2026 के माध्यम से श्री वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में भू-अभिलेख नियमावली के अनुसार दैनिक डायरी संधारित नहीं करने, कृषकों से संबंधित एग्रीस्टैक पंजीयन एवं बकेट क्लेम डिजिटल कॉप मोबाइल ऐप में प्रविष्टि कार्य प्रारंभ नहीं करने, नक्शा बंटाकन और अभिलेख दुरुस्ती के कार्य लंबित रखने तथा खरीफ वर्ष 2025-26 की मैनुअल गिरदावरी से संबंधित कार्य पीवी के माध्यम से नहीं किए जाने का उल्लेख था।

महादेव सट्टा ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार



रायपुर,(आरएनएस)। महादेव सट्टा ऐप मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को ओमान से गिरफ्तार कर भारत लाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस कार्रवाई को बड़ी सफलता बताते हुए सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की सराहना की है। सोमवार सुबह रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) लगातार प्रयास कर रही थी। अब मुख्य आरोपी के पकड़े जाने से मामले में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। उन्होंने इस सफलता के लिए सीबीआई और सभी केंद्रीय जांच एजेंसियों को बधाई दी। सीबीआई की ओर से 1 नवंबर 2026 को जारी जानकारी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसी के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने उसे ओमान में तलाश कर हिरासत में लिया। इसके बाद सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने उसके खिलाफ जुटाए गए साक्ष्यों के साथ ओमान सरकार को प्रत्यर्पण का औपचारिक प्रस्ताव भेजा।

3 नवंबर को रायपुर आएंगे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राज्योत्सव के समापन समारोह में होंगे शामिल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 3 नवंबर को रायपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वे एक निजी अस्पताल का उद्घाटन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वे दोपहर 3 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सीधे अस्पताल के उद्घाटन समारोह में शामिल होने जाएंगे।

इसके बाद शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित राज्योत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का आयोजन 'नक्सल मुक्त राज्य' की थीम पर किया जा रहा है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि अमित शाह ने देश से नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समयसीमा निर्धारित करने की घोषणा की थी।

वहीं, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि राज्योत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों और लोक नर्तकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका उद्देश्य प्रदेश की लोककला और स्थानीय प्रतिभाओं को बड़े मंच पर अवसर देना है।

उन्होंने बताया कि जनता और युवाओं की मांग को देखते हुए देश के तीन चर्चित बाहरी कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। इस तरह राज्योत्सव के समापन समारोह में स्थानीय संस्कृति के साथ राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक देखने को मिलेगी।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 का भव्य आगाज....

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर में तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित छत्तीसगढ़ शासन के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया और मंचस्थ अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। समारोह के अंत में मुख्य सचिव विकासशील ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गिनाईं विकास की उपलब्धियां

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य ने अपने 25 वर्षों के सफर में विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रदेश में एम्स सहित कई राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित हुए हैं और विकास की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रदेश अब विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

कोरबा में दिसंबर से दौड़ेंगी 40 ई-बसें, सतरेंगा-मड़वारानी-कोसगाई तक जाएगी, 20 गांवों को होगा फायदा

कोरबा, (आरएनएस)। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की कवायद अब हकीकत बनने वाली है। केंद्र सरकार से स्वीकृत 40 ई-बसों के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। नगर निगम दिसंबर से इन बसों को सड़कों पर उतारने की तैयारी में है। नई सेवा शुरू होने से न सिर्फ शहर बल्कि उपनगरीय इलाकों और पर्यटन स्थलों तक पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा।

केंद्र ने कोरबा जिले के लिए कुल 40 बसों को मंजूरी दी है, जिसमें 20 बड़ी ई-बसें और 20 ई-मिनी बसें शामिल हैं। नगर निगम ने इनके लिए रूट चार्ट तैयार कर लिया है। सभी बसें रोजाना करीब 400 किलोमीटर तक शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में चलेंगी। एक बार फुल चार्ज होने पर एक बस लगभग 200 किलोमीटर का सफर तय कर सकेगी। इससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत होगा और निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी।

पर्यटन स्थलों तक सीधी कनेक्टिविटी, 20 गांवों को होगा फायदा

ई-बस सेवा का सबसे बड़ा फायदा पर्यटन स्थलों तक आवाजाही में मिलेगा। सतरेंगा, मड़वारानी और कोसगाई जैसे प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट तक अब सार्वजनिक परिवहन से पहुंचा जा सकेगा। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। सतरेंगा से लगे करीब 20 गांवों के लोगों के लिए शहर आना-जाना आसान होगा। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य



और रोजगार के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। नियमित बस सेवा से टूरिस्ट मूवमेंट बढ़ेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन आधारित गतिविधियों और लोकल रोजगार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कालोनियों के अंदर दौड़ेंगी मिनी बसें, छात्रों और मरीजों को राहत

शहर की संकरी सड़कों और कालोनियों को ध्यान में रखकर ई-मिनी बसों को शामिल किया गया है। ये बसें रविशंकर शुक्ल नगर, आरपी नगर, एमपी नगर और टीपी नगर के भीतरी मार्गों पर चलेंगी। इससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को अस्पताल और जरूरी जगहों तक पहुंचने में आसानी होगी। नगर निगम ने बांकीमोंगरा, दीपका, बालको और हरदीबाजार जैसे प्रमुख उपनगरीय क्षेत्रों को भी इस सेवा से जोड़ा है। प्रतीक्षा बस स्टेशन, पुराना बस स्टैंड और नया बस स्टैंड से नियमित सेवाएं चलेंगी। रूट तय करते समय पीएम स्कूल, पीजी कालेज, कमला नेहरू महाविद्यालय, मिनीमाता महाविद्यालय, मेडिकल कालेज और रेलवे स्टेशन की कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी गई है, ताकि विद्यार्थियों और मरीजों को सीधा लाभ मिल सके।

1.54 करोड़ से बन रहा चार्जिंग सब स्टेशन

दर्री स्थित प्रतीक्षा बस स्टैंड में ई-बसों के लिए करीब 1.54 करोड़ रुपये की लागत से चार्जिंग सब स्टेशन बनाया जा रहा है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके साथ ही बसों के मेंटेनेंस के लिए वर्कशॉप और प्रशासनिक भवन का निर्माण भी अंतिम दौर में है। भविष्य में इसी चार्जिंग स्टेशन पर अन्य इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर गाड़ियों को भी चार्ज करने की सुविधा देने की योजना है, जिससे शहर में ई-व्हीकल को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदूषण घटेगा, निगम की आय बढ़ेगी

ई-बसें चलने से डीजल की खपत कम होगी और वायु प्रदूषण नियंत्रित होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट बेहतर होने से प्राइवेट गाड़ियों का इस्तेमाल भी घट सकता है, जिससे शहर का वातावरण स्वच्छ होगा। इस सेवा से नगर निगम को अतिरिक्त राजस्व मिलने की भी उम्मीद है। संचालन, रखरखाव और प्रबंधन से लोकल स्तर पर रोजगार के अवसर भी बनेंगे। वहीं, कोरोना काल से पहले चल रही 48 पुरानी सिटी बसों की नीलामी की तैयारी की जा रही है, ताकि नई ई-बसों के लिए जगह बनाई जा सके।

रायपुर में गांजा बेचने की फिराक में घूम रहीं नागपुर की दो महिलाएं गिरफ्तार, करीब एक लाख का गांजा जब्त

रायपुर (आरएनएस)। गांजा बिक्री की फिराक में घूम रही महाराष्ट्र के नागपुर की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 1.972 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 98 हजार 600 रुपये आंकी गई है। दोनों महिलाएं पूर्व में चोरी के मामलों में भी जेल जा चुकी हैं।

पुलिस के अनुसार 1 नवंबर 2026 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद जी कॉलोनी स्थित बाबर बंगला के पास इमली के पेड़ के नीचे दो महिलाएं गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रही हैं। सूचना पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखकर दोनों महिलाएं भागने लगीं, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान रंजना उर्फ राजना पात्रे (60) और सीमा उर्फ नीलम पात्रे (45), निवासी नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई। उनके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर 1.972 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 415/26 के तहत नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) में मामला दर्ज किया है। आरोपियों से गांजे की उपलब्धता, परिवहन और बिक्री के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस गांजा उपलब्ध कराने वाले स्रोतों और संभावित खरीदारों की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक दोनों महिलाएं पूर्व में चोरी के मामलों में जेल में निरुद्ध रह चुकी हैं। उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

खेल समाचार

वनडे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रही है कांटे की टक्कर, जानिए हेड टू हेड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)।भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 4 नवंबर से होने जा रहा है। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टी20 सीरीज को 3-2 से अपने नाम किया। हालांकि, 50 ओवर के फॉर्मेट में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे में अब तक कुल 123 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 63 मैचों में जीत टीम इंडिया के हाथ लगी है। वहीं, 52 मुकाबलों में न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की है। एक मुकाबला टाई रहा है, जबकि 7 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकल सका है। दोनों टीमों के बीच आखिरी वनडे सीरीज पिछले साल खेली गई थी, जिसमें कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था। हालांकि, टीम इंडिया का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सरजमीं पर वनडे क्रिकेट में कुछ खास नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 45 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 14 में जीत मिली है, जबकि 26 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अपनी आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड में साल 2022 में खेली थी, जिसे न्यूजीलैंड ने 1-0 से अपने नाम किया था। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल के सामने वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड से पार पाने की कड़ी चुनौती होगी।वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल संभालते हुए नजर आएंगे, जबकि आखिरी दो एकदिवसीय मुकाबलों में टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी। भारत का बल्लेबाजी क्रम विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी में काफी दमदार नजर आ रहा है।केएल राहुल, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर पर मिडिल ऑर्डर को संभालने की जिम्मेदारी होगी। हालांकि, तेज गेंदबाजी अटैक में जसप्रीत बुमराह की कमी जरूर टीम को खल सकती है। मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई करते नजर आएंगे और उनका साथ अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार और अंशुल कंबोज देंगे।

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी; हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक से भारत की लगातार चौथी जीत

जालंधर(आरएनएस)। पंजाब की धरती पर खेले जा रहे पहले अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आज जालंधर में लीग स्टेज के चौथे दिन खेले गए मैचों में भारत ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक के दम पर मलेशिया को 4-2 से हराया। दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को 5-0 से हराया जबकि जापान और चीन के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। इसके साथ ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें तय हो गईं। आज के नतीजों के बाद जापान और दक्षिण कोरिया ने आखिरी चार में जगह पक्की कर ली जबकि भारत और मलेशिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गई थीं। भारत पहले स्थान पर चल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों की लीग रैंकिंग अभी तय होनी है। कल 2 नवंबर को जालंधर में लीग स्टेज के आखिरी तीन मैच चीन और बांग्लादेश, मलेशिया और जापान तथा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेले जाएंगे जिसके बाद 4 नवंबर को मोहाली में होने वाले सेमीफाइनल के मैचों की स्थिति स्पष्ट होगी। चीन और बांग्लादेश सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के कारण पांचवीं पोजीशन के लिए 4 नवंबर को मोहाली में खेलेंगे। टूर्नामेंट में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ जापान की टीम और दूसरी जीत के साथ दक्षिण कोरिया की टीम आज सेमीफाइनल में पहुंची जबकि भारत और मलेशिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गए थे।



खचाखच दर्शकों से भरे ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारत और मलेशिया की टीमों के बीच दिन का तीसरा और आखिरी मैच हुआ जिसमें भारत ने मलेशिया को 4-2 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर था।भारत की ओर से आज कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक लगाते हुए तीन गोल किए। हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि तीसरा गोल पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

सुखजीत सिंह ने एक बहुत ही खूबसूरत फील्ड गोल किया। उधर हरमनप्रीत सिंह के टूर्नामेंट में कुल आठ गोल हो गए और वह टॉप स्कोरर चल रहा है। मलेशिया की ओर से अखीमउल्ला और शैलो सिल्वेरियस ने गोल किएदिन का दूसरा मैच जापान और चीन के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा। यह मैच बहुत रोमांचक और उतार-चढ़ाव वाला रहा। चीन ने जियानलाग के गोल से पहले गोल करके लीड ले ली जो तीन क्वार्टर तक कायम रही। चौथे क्वार्टर में जापान ने वापसी करते हुए दो गोल करके एक बार लीड ले ली। यह गोल रेकी फुजीशिमा और युमा नुगाई ने किए। चीन ने आखिरी मिनट में मैच समाप्ति से तीन सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बेनहाई चेन के गोल से 2-2 की बराबरी कर ली। इस ड्रॉ के साथ चीन की टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।दिन का पहला मैच दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमों के बीच खेला गया। दक्षिण कोरिया ने 5-0 से जीत दर्ज करके टूर्नामेंट की दूसरी जीत के साथ सेमीफाइनल की टिकट कटाई। हाफ टाइम तक विजयी टीम 2-0 से आगे थी। बांग्लादेश की भी यह लगातार चौथी हार थी। इस हार के साथ बांग्लादेश की टीम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर विराट कोहली, ऐसा करने वाले बनेंगे दुनिया के पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर के उस मुकाम पर हैं, जहां वह हर मैच के साथ ही कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार (4 नवंबर) को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी विराट के पास एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, विराट कोहली वनडे में नंबर तीन की पोजीशन पर खेलते हुए अब तक 305 पारियों में 12,988 रन बना चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगर पहले वनडे मुकाबले में विराट 12 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह इस पोजीशन पर खेलते हुए 13 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज रिकी पोंटिंग मौजूद हैं, जिन्होंने 365 पारियों में 12,662 रन बनाए हैं। वनडे क्रिकेट में किसी एक पोजीशन पर खेलते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 15,310 रन बनाए हैं।

विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में एक शतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। कोहली और सचिन ने अभी तक लिस्ट-ए क्रिकेट में 60-60 शतक लगाए हैं। कोहली का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर की क्रिकेट में शानदार रहा है।विराट ने 36 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 की दमदार औसत से खेलते हुए 1,897 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ 154 रनों की नाबाद पारी भी खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड में कोहली ने कुल 11 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान 46 की औसत से खेलते हुए 514 रन बनाए हैं।न्यूजीलैंड की सरजमीं पर कोहली एक शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को खेला जाना है, जबकि दूसरा मैच 7 और तीसरा मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा। सीरीज का चौथा वनडे 13 और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला 15 नवंबर को खेला जाना है।

एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर विराट कोहली, ऐसा करने वाले बनेंगे दुनिया के पहले बल्लेबाज



नई दिल्ली (आरएनएस)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर के उस मुकाम पर हैं, जहां वह हर मैच के साथ ही कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार (4 नवंबर) को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी विराट के पास एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा।

दरअसल, विराट कोहली वनडे में नंबर तीन की पोजीशन पर खेलते हुए अब तक 305 पारियों में 12,988 रन बना चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगर पहले वनडे मुकाबले में विराट 12 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह इस पोजीशन पर खेलते हुए 13 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज रिकी पोंटिंग मौजूद हैं, जिन्होंने 365 पारियों में 12,662 रन बनाए हैं। वनडे क्रिकेट में किसी एक पोजीशन पर खेलते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 15,310 रन बनाए हैं।विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में एक शतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। कोहली और सचिन ने अभी तक लिस्ट-ए क्रिकेट में 60-60 शतक लगाए हैं। कोहली का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर की क्रिकेट में शानदार रहा है। विराट ने 36 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 की दमदार औसत से खेलते हुए 1,897 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ 154 रनों की नाबाद पारी भी खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड में कोहली ने कुल 11 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान 46 की औसत से खेलते हुए 514 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड की सरजमीं पर कोहली एक शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को खेला जाना है, जबकि दूसरा मैच 7 और तीसरा मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा। सीरीज का चौथा वनडे 13 और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला 15 नवंबर को खेला जाना है।

अनौपचारिक टेस्ट : मैथ्यू बॉयल का शतक, मुकेश ने खोला पंजा, पहली पारी में 424 रन बनाकर ऑलआउट हुई न्यूजीलैंड ए टीम

क्राइस्टचर्च (आरएनएस)। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 424 रन बनाकर ऑलआउट हुई। न्यूजीलैंड ए ने पहली पारी के आधार पर 78 रनों की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और राइस मारियू 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कर्टिस हीफी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 4 रन बनाकर मुकेश कुमार का शिकार बने। टिम रॉबिन्सन भी महज 3 रन ही बना सके। हालांकि, इसके बाद मैथ्यू बॉयल और डीन डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 331 गेंदों में 208 रनों की साझेदारी निभाई। फॉक्सक्रॉफ्ट 226 गेंदों का सामना करने के बाद 93 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बॉयल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। उन्होंने 152 गेंदों का सामना करते हुए 110 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान बॉयल ने 14 चौके और एक छक्का लगाया। मिच हे 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि क्रिस्टियन क्लार्क ने 68 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड ए की टीम ने अपने 7 विकेट 291 के स्कोर पर गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद फ्रेजर शीट और क्लार्क ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 47 रनों की अहम साझेदारी निभाई। वहीं, शीट ने 9वें विकेट के लिए जेडन लेनोक्स संग मिलकर 31 रन जोड़े।

न्यूजीलैंड ए ने अपना 9वां विकेट 369 रनों के स्कोर पर गंवाया। इसके बाद जरॉड मैकके और लेनोक्स ने 10वें विकेट के लिए 149 गेंदों का सामना कते हुए 55 रन जोड़े। दोनों ने मिलकर 24.5 ओवर बल्लेबाजी की और भारत ए के गेंदबाजों को आखिरी विकेट के लिए तरसाया। मैकके ने 75 गेंदों में 33 रन बनाए।

ठंड बढ़ते ही रजाई गद्दे और गर्म कपड़ों की मांग बढ़ी



शाम होते ही ठंड का होने लगा असर

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व में जो ठंड दीपावली बाद शुरू होती थी वह अब दीपावली से पूर्व शुरू हो गई है। दीपावली बाद से तो और ठंड बढ़ जाएगी । अब सर्दी के मौसम में रजाई तैयार करने वालों का धंधा चल पड़ा है। लोगों को यह एहसास हो रहा है कि इस बार ठंड तेज रहेगी। इस कारण सभी रूई का व्यवसाय करने वालों के यहां पर रजाई गद्दा तैयार कराने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। रूई का कारोबार करने वाले भोजराज ने बताया कि उनके पास लगातार आर्डर आ रहे हैं। उनके पास एक माह तक रूई की रजाई तैयार करने का आर्डर आ चुका है। जिला मुख्यालय में अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह से ही ठंड का असर तेज हो गया था। लेकिन इस बीच कुछ ठंडा कुछ गरम मौसम बने रहने से गर्म कपडों की तरफ कम ही रूझान था। नवंबर के लगते ही तेज ठंड के बढ़ने के साथ ही गर्म कपड़ों की मांग बढ़ने लगी है। नगर की प्रमुख कपड़ा दुकानों के साथ स्वेटर, जैकेट, व अन्य ऊनी वस्त्रों की मांग होने लगी है। अधिकांश दुकानों में लोगों को गर्म कपड़े खरीदते देखा जा सकता हैं। अभी सुबह और शाम के समय सर्द हवाओं से ठिठुरन बढती जा रही है। वातावरण में ठंड बढ़ने के साथ गर्म कपड़ों का बाजार चल पड़ा है। मौसम विभाग का भी ऐसा मानना है कि इस बार तेज ठंड का असर रहेगा और ज्यादा दिनों तक रहेगा।

कीमतों में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

समय के हिसाब से युवाओं के बीच स्वेटर की मांग कम हुई है। वहीं इसकी जगह जैकेट की मांग ज्यादा है। जींस के जैकेट 600 से 900 रुपये, लेदर जैकेट 800 से तीन हजार, महिलाओं और युवतियों के स्वेटर 500 से 1000 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। फेरी लगाने वाले भी घर पहुंच रहे हैं।

राष्ट्र-गीत "वंदे-मातरम" एवं राष्ट्र-गान "जन-गण-मन" के सामूहिक गायन से हुई माह के प्रथम कार्यदिवस की शुरुआत



कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने खनिज विभाग की समीक्षा की

खनिज विभाग के माध्यम से होने वाली राजस्व वसूली बढ़ाने के दिए निर्देश
अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए की जाए कड़ी कार्रवाई



नर्मदापुरम (निप्र)। नवंबर माह के प्रथम कार्य दिवस की शुरुआत कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गायन के साथ हुई। इस अवसर पर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम के सभी अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सोमवार को खनिज विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय गतिविधियों एवं कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित राजस्व वसूली के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने कहा कि खनिज विभाग विभागीय कार्यवाहियों के माध्यम से राजस्व वसूली में वृद्धि सुनिश्चित करे। इसके लिए मासिक लक्ष्य निर्धारित कर कार्ययोजना तैयार की जाए तथा नियमित रूप से लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त वसूली की समीक्षा की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की पूर्व में लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करते हुए संबंधितों से वसूली की कार्यवाही शीघ्र ही पूरी की जाए। उन्होंने जिले में अवैध उत्खनन एवं खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अवैध उत्खनन में संलिप्त वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए। संबंधित प्रकरणों में आरआरसी जारी कर नियमानुसार जुर्माने की वसूली भी सुनिश्चित की जाए। अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए पेनल्टी भी अधिरोपित की जाए, ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कलेक्टर ने खनिज परिवहन में पारदर्शिता एवं निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में आरएफ टैग लगाने की प्रक्रिया का शासन के निर्देशानुसार शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नपा कर्मी छुट्टन बाई हुई सेवानिवृत्त, सीएमओ और नपाध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं



नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका कार्यालय में पदस्थ नपा कर्मी छुट्टन बाई आज अपनी 32 वर्ष की सेवावधि के बाद सेवानिवृत्त हो गईं। उनकी सेवानिवृत्त के समय उनके साथ कार्यरत कर्मचारियों के आंसू छलक उठे। यह दृश्य हर किसी को भावविभोर कर रहा था। छुट्टन बाई की सेवानिवृत्त पर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में राजस्व शाखा से सुनील अवस्थी, मूर्ति सिंह ठाकुर,अनंतसिंह ठाकुर, एकाउंटेंट योगेश सोनी, स्थापना शाखा से स्मृति सोनी, राखी चौकसे सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यालय अधीक्षक मुनेंद्र पांडेय ने कहा कि आप ने जो 32 वर्ष तक सेवाएं दी हैं वह कबिले तारीफ हैं। आपकी विदाई के समय सार्थी कर्मचारियों का भाव इस बात का प्रमाण है। आप शासकीय दायित्व से सेवानिवृत्त होकर पूरी तरह से आपको पारिवारिक दायित्व निभाने की जिम्मेदारी मिल रही है। उन्होंने सेवानिवृत्त पर शुभकामनाएं दीं।

रबी मौसम में कुल 333 हजार हेक्टेयर में होगी बोवनी

गेहूं का रकबा होगा कम, चना का रकबा बढ़ाने पर जोर
55 हजार हेक्टेयर में चने की बोवनी की संभावना

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह के बाद से क्षेत्र में धान की कटाई हो चुकी है। कुछ हिस्सों में हो रही है। इसी प्रकार मक्का की भी कटाई होने के साथ ही रबी मौसम की बोवनी की तैयारी तेजी से जारी है। कुछ क्षेत्रों में कटाई होने पर बोवनी शुरू हो भी हो चुकी है। इस वर्ष नर्मदापुरम जिले में गेहूं का रकबा बीते वर्ष से कम करके चना का रकबा बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। बीते वर्ष जिले में 36 हजार हेक्टेयर में चना की फसल ली गई थी इस बार बढ़ते हुए क्रम में 55 हजार या इससे भी अधिक हेक्टेयर में चना की बोवनी प्रस्तवित है। इसी प्रकार मटर, मसूर, सरसों का भी आंशिक रकबा बढ़ने की संभावना बन रही है। इस बार जिले में कुल रबी सीजन की बोवनी का लक्ष्य 3 लाख 33 हजार हेक्टेयर में संभावित की जा रही है।

3 लाख 33 हजार में होगी बोवनी

कृषि विभाग ने इस बार जो रबी मौसम की बोवनी का लक्ष्य 3 लाख 33 हेक्टेयर का बनाया है। इस बार किसान गेहूं का रकबा कम करके चना का रकबा बढ़ाने की ओर अग्रसर है। विभाग ने इस बार 55 हजार हेक्टेयर में चना का प्लान बनाया है। बीते वर्ष 36 हजार हेक्टेयर में चने की फसल ली गई थी। बीते वर्ष चना की पैदावार अच्छी हुई थी मौसम भी ठीक था किसानों को चने के दाम भी अच्छे मिले थे। इसी कारण किसानों का भी



रूझान चना की ओर बढ़ रहा है। गेहूं की बोवनी की अपेक्षा चना की बोवनी करने में किसानों को ज्यादा फायदा होता है।

किस उपज की कितनी होगी बोवनी

कृषि विभाग ने बोवनी का जो लक्ष्य तय किया गया है उसके अनुसार जिले में 2 लाख 72 हजार हेक्टेयर में गेहूं, 55 हजार हेक्टेयर में चना, 1 से लेकर देड़ हेक्टेयर में मसूर और सरसों 4 हेक्टेयर में, मटर, अलसी, सरसों, राई मिलाकर करीब 85 हजार हेक्टेयर, गन्ना 4.5 हजार हेक्टेयर में बोवनी की जाना है। इस बार दलहन तिलहन की ओर किसानों का रूझान बड़ता दिख रहा है।

चना की बोवनी फायदेमंद

किसान गणेश गौर, सुरेंद्र गौर, श्याम राठौर, बद्री राठौर, लक्ष्मण गौर ने बताया कि किसान चना की बोवनी इसलिए करना चाहते हैं कि चना की फसल जल्दी आ जाती है। उसके तुरंत बाद मूंग की बोवनी करने में फायदा होता है पर्याप्त समय मिल जाता है। जिससे मूंग की फसल को भी फायदा होता है।

एक्सपर्ट व्यू-

गेहूं से ज्यादा चना से फायदा होता है। लेकिन चने की फसल में जोखिम अधिक रहता है। इसलिए कम किसान चना की बोवनी करते हैं। बीते तीन वर्ष से चना की पैदावार बढ़ी है इससे भी किसानों का रूझान बढ़ रहा है। शासन स्तर से भी यह प्रयास किए जा रहे हैं कि गेहूं की तुलना में दलहनी फसलों को बढ़ाया जाना चाहिए।

राजेश चौरे, पूर्व कृषि विस्ताार अधिकारी

इनका कहना है-

रबी मौसम की बोवनी का लक्ष्य तय कर लिया है। बोवनी का कार्य प्रगति पर है। हर वर्ष की तरह इस बार भी गेहूं की बोवनी तो सबसे ज्यादा होना ही है। लेकिन चना का रकबा बढ़ता जा रहा है। बीते वर्ष 77 हजार हेक्टेयर से अधिक में चना की पैदावार हुई थी। इससे किसानों को गेहूं की तुलना में अधिक राशि मिली थी उसके बाद उन्हें मूंग की बोवनी करने में पर्याप्त समय मिलता है इसलिए भी रूझान बढ़ रहा है।

डॉ रविकांत सिंह, उप संचालक कृषि नर्मदापुरम

ट्राइडेन्ट ग्रुप बुधनी द्वारा जारी है दिवाली मेला

मेला में उमड़ रहे खरीददार, रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमो की धूम



नर्मदापुरम। बुदनी (निप्र)। पूर्व वर्षों की तरह ट्राइडेन्ट ग्रप बुधनी द्वारा दिवाली मेला जारी है। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ट्राइडेन्ट परिसर नर्मदापुरम रोड बुधनी में मेगा दिवाली मेला.में उत्पाद के सेल का आयोजन किया जा रहा है। कंपनी के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार मेले में ट्राइडेन्ट लिमिटेड के विश्व स्तरीय उत्पाद जैसे बेडशीट, टॉवेल, रजाई, दोहर आदि भारी छूट के साथ विकय ;सेल के लिये उपलब्ध रहते है। मेला में क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण अंचल के लोग बड़ी संख्या में अपनी जरूरत के हिसाब से खरीददारी कर रहे हैं। मेला में लगातार भीड़ उमड़ रही है। ट्राइडेन्ट कंपनी के नितिन मल्होत्रा व संजीव कुमार सिंह ने चर्चा के दौरान बताया कि ट्राइडेन्ट परिवार, प्रतिवर्ष की भांति, इस वर्ष भी आम जनता को सपरिवार अपने इष्ट मित्रों एवं अपने रिश्तेदारों के साथ इस मेंले में सादर आमंत्रित कर रहा है। मेले में ट्राइडेन्ट के उत्पाद के विकय; सेल के साथ .साथ मेला परिसर में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमो का भी आयोजन हो रहा है जिनमें प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जा रही है। मेले में विभिन्न तरह के खान.पान के स्टाल, झूले, बच्चों के मनोरंजन, आदि की संपूर्ण व्यवस्था है, जिसका आनन्द आप सपरिवार ट्राइडेन्ट परिसर में आकर उठा सकते हैं। मेला कार्यक्रम के दौरान कम्पनी परिसर में मेला ग्राउण्ड तक सभी का प्रवेश नि:शुल्क रहता है। लगातार खरीदारी करने वालों को देखते हुए मेले की अवधि 4 नवंबर तक बढाई गई ।



कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से भेंट कर समस्याओं से अवगत कराया

नर्मदापुरम (निप्र)। नेता प्रतिपक्ष नपा अनोखी राजोरिया एवं पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ से भेंट कर शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराकर उनके निराकरण की मांग की इसमें नजुल पट्टा नवीनकरण प्रक्रिया का सरलीकरण सीवर लाइन रेस्टोरेंशन कार्य गुणवत्ता पूर्वक करने स्वत: नामांतरण प्रकिया में सुधार शहर में बाजार बैठकी व्यवस्था व्यवस्थित करने जिससे की यातायात प्रभावित न हो एवं विभिन्न स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग शामिल है।

रबी फसल के लिए किसानों को सुगमता से उपलब्ध कराएं खाद - कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ

धर्मकुंडी में मार्कफेड का डबल लॉक गोदाम शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश,

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आगामी रबी फसल के दृष्टिगत जिले में खाद की उपलब्धता, वितरण एवं भंडारण व्यवस्था की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की मांग और आवश्यकता के अनुरूप खाद की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कृषि कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों की मांग को देखते हुए सिवनी मालवा विकासखंड के धर्मकुंडी में मार्कफेड के डबल लॉक गोदाम का शीघ्र संचालन प्रारंभ किया जाए। इससे आसपास के क्षेत्र के किसानों को कैश सेल पॉइंट के माध्यम से आसानी से खाद उपलब्ध हो सकेगा। इसी प्रकार पिपरिया एवं बानापुरा में मार्केटिंग सोसाइटी द्वारा तैयार किए गए कैश सेल पॉइंट को भी तत्काल प्रभाव से संचालित कर किसानों को खाद वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने गोदामों एवं सहकारी समितियों के माध्यम से यूरिया का नियमित उठाव सुनिश्चित करने के लिए भी सहकारिता एवं कृषि विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने डीआरसीएस को निर्देशित किया कि समिति स्तर पर प्रबंधकों को खाद की मांग का समय पर आकलन कर डिमांड प्रस्तुत करने के लिए पाबंद करे ।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार पटेल की जयंती मनाई

नर्मदापुरम (निप्र)। विगत दिनों कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शिनी श्रीमती इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई।सर्वप्रथम कांग्रेसजनों ने इंदिरा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर अनोखी राजोरिया एवं बबलू राठौर ने कहा इंदिरा जी लौह महिला थीं, जिन्होंने गरीबी हटाओ और बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे ऐतिहासिक फैसले लेकर देश को नई दिशा दी। संतोष तोमर एवं जागेश यादव ने कहा बांग्लादेश का निर्माण और पोखरण परमाणु परीक्षण इंदिरा जी के अदम्य साहस का प्रमाण है, देश उनका ऋणी रहेगा।गुलाम हैदर एवं प्रकाश यादव ने कहा – इंदिरा जी की शहादत देश की एकता के लिए थी, हम उनके धर्मनिरपेक्षता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

आभार अशोक अहिरवार ने माना

ततपश्चात् समस्त कांग्रेस जन पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोह पुरुष की जयंती मनाई इस अवसर पर धर्मेन्द्र तिवारी एवं विजेंद्र राजपूत ने कहा सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एक कर अखंड भारत बनाया, वे सच्चे राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं।कुलदीप राठौर, धीरज बहुत्रा एवं शेख पप्पू ने कहा – लौह पुरुष की दृढ़ इच्छाशक्ति से ही देश एक सूत्र में बंधा, उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा है। पुष्पलता जायसवाल, लखन रघुवंशी, शिवमंगल चौहान एवं लखन यादव ने कहा – सरदार पटेल का किसान और देशहित सर्वोपरि का विचार आज भी प्रासंगिक है कांग्रेस नेता मोहन बैध एवं लखन यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये इस कार्यक्रम का संचालन सौरभ राय ने किया एवं आभार मंजूलमनी ढिमोले ने व्यक्त किया।



स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com